कोटद्वार, गुरूवार
16 नवम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 197 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराया, मोहम्मद शमी ने लिए सात विकेट, विराट–श्रेयस के शतक

वनडे विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में मेजबान भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हरा दिया है। दोनों टीमें चार साल बाद एक बार फिर से सेमीफाइनल में आमने–सामने थीं। पिछली बार 2019 में कीवी टीम ने करोड़ों भारतीयों का सपना तोड़ दिया था और फाइनल में जगह बनाई थी। इस बार भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर पिछली हार का बदला ले लिया। अब भारतीय टीम 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल खेलेगी। भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट खोकर 397 रन बनाए। इसके जवाब में कीवी टीम सभी विकेट खोकर 327 रन ही बना पाई।

यमुनोत्री मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद

उत्तरकाशी(सं)। भैयादूज के पावन पर्व पर बुधवार को सुबह 11:57 बजे विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके बाद शीतकाल में छह माह तक मां यमुना के दर्शन उनके शीतकालीन प्रवास खुशीमठ (खरसाली) में होंगे। पौराणिक परंपरानुसार भैया दूज के पावन पर्व पर बुधवार को सुबह मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली से शनिदेव की डोली यमुनोत्री धाम पहुंची, जहां यमुनोत्री में विधिवत पूजा अर्चना और हवन यज्ञ किया गया, जिसके बाद 11 बजकर 57 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शीतकाल के लिए यमुनोत्री मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। कपाट बंद किए जाने के बाद मां यमुना की डोली यमुनोत्री से शनि देव की डोली एवं वाद्ययन्त्रों की अगुवाई में अपने शीतकालीन प्रवास खुशीमठ के लिए रवाना हुई। शाम को खरसाली में श्रद्धालुओं ने मां यमुना जी का भव्य स्वागत किया। यमुनोत्री मंदिर के कपाट बंद होने के बाद शीतकाल में छह माह तक मां यमुना की पूजा अर्चना उनके शीतकालीन प्रवास खुशीमठ में होगी तथा यहीं पर देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालु शीतकाल में छह माह तक मां यमुना के दर्शन कर सकेंगे।

बाबा केदार के जयकारों के साथ शीतकाल के लिए बंद हुए श्री केदारनाथ धाम के कपाट

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : भैया दूज के पावन अवसर पर श्री केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो गए हैं। बुधवार सुबह विधि-विधान के साथ कपाट बंद होने के बाद सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों के साथ बाबा की पंचमुखी विग्रह मूर्ति शीतकालीन गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान कर चुकी है। भारी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के जयकारों के साथ डोली के साथ धाम से रवाना हुए। अब अगले छह माह बाबा के दर्शन श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में ही होंगे।

बुधवार भोर काल में बाबा केदारनाथ मंदिर खुलने के बाद चार बजे से कपाट बंद करने की समाधि पूजन प्रक्रिया शुरू हुई। मुख्य पुजारी शिवलिंग ने भगवान केदारनाथ के स्वंभू ज्योर्तिलिंग को श्रृंगार रूप से समाधि रूप दिया। ज्योर्तिलिंग को बाघांबर, भृंगराज फूल, भस्म, स्थानीय शुष्क फूलों-पत्तों आदि से ढ़क दिया गया। इसके साथ ही भकुंट भैरव नाथ के आव्हान के साथ ही गर्भगृह तथा मुख्य द्वार को जिला प्रशासन की मौजूदगी में बंद किया गया। इसके साथ

ही पूरब द्वार को भी सीलबंद किया गया। कपाट बंद होने के अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से फूलों से सजाया गया था। सैकड़ों तीर्थयात्री कपाट बंद होने के गवाह बने।

इस दौरान सेना के भक्तिमय धुनों के साथ जय श्री केदार तथा ऊं नम् शिवाय के उदघोष से केदारनाथ गूंज उठा। कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली तीर्थयात्रियों के साथ सेना के बैंड बाजों के साथ पैदल प्रथम पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान हुई। गुरुवार 16 नवंबर को डोली फाटा से होते हुए रात्री विश्राम के लिए विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुँचेगी। वहीं शुक्रवार 17 नवंबर को गुप्तकाशी से प्रस्थान कर सुबह करीब 11 बजे श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुँचेगी।

कपाट बंद होने के अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में श्री केदारनाथ यात्रा का सफल तापूर्वक समापन हो रहा है। उन्होंने यात्रा से जुड़े सभी संस्थानों को भी बधाई दी। कहा कि सामूहिक सहयोग समन्वय से यात्रा का सफलता पूर्वक समापन हुआ है। फलस्वरूप रिकार्ड 19 लाख 60 हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये हैं।

इस अवसर पर बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह, तहसीलदार दीवान सिंह राणा, कार्याधिकारी आरसी तिवारी, केदार सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, थाना प्रभारी मंजुल रावत, मंदिर समिति सदस्य श्रीनिवास पोस्ती, प्रदीप सेमवाल, अरविंद शुक्ला, देवानंद गैरोला, उम्मेद नेगी, कुलदीप धर्म्वाण, ललित त्रिवेदी सहित जनप्रतिनिधि तीर्थपुरोहित एवं तीर्थयात्री मौजूद रहे।

छह माह ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में होगी बाबा केदार की पूजा

सिलक्यारा में चल रही है रेस्क्यू ऑपरेशन के पल–पल की अपडेट ले रहे मुख्यमंत्री धामी

देहरादून(सं)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सिलक्यारा में चल रहे हैं रेस्क्यू ऑपरेशन पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कमिश्नर गढ़वाल, आईजी गढ़वाल तथा राहत एवं बचाव में लगी एजेंसियों से सिलक्यारा में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन तथा टनल में फंसे श्रमिकों की कुशलक्षेम की पल–पल की अपडेट ले रहे हैं।

बुधवार को एक कार्यक्रम में इंदौर, मध्य प्रदेश में होने के बावजूद मुख्यमंत्रीपुष्कर सिंह धामी कमिश्नर गढ़वाल तथा आईजी गढ़वाल से निरंतर संपर्क में हैं तथा सिल्क्यारा में संचालित हो रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की निरंतर अपडेट ले रहे हैं।

इसके साथ ही राहत एवं बचाव के कार्यों में लगी एजेंसियों से भी मुख्यमंत्री हर पल की अपडेट ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने युद्ध स्तर पर चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं राहत एवं बचाव एजेंसियों का हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्रीधामी ने कहा कि आज हमारे समक्ष बड़ी चुनौती आ खड़ी हुई है जिसका सामना हमें पूरी हिम्मत, हौसले और धैर्य से सफलतापूर्वक करना है। राज्य सरकार, प्रशासन के साथ ही केंद्रीय एजेंसियों एवं केंद्र सरकार का हमें इसमें पूरा सहयोग मिल रहा है। केंद्र सरकार एवं केंद्रीय गृह मंत्री रेस्क्यू ऑपरेशन पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी ने स्वयं घटना एवं राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली है।

गौरतलब है कि सिल्क्यारा पोलगांव निर्माणाधीन रोड टनल में भूस्खलन की घटना के बाद से ही मुख्यमंत्रीपुष्कर सिंह धामी ने तत्काल मुख्यमंत्री आवास में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिये कि मौके पर तैनात जिला प्रशासन के अधिकारियों एवं वहां पर कार्य कर रही एजेंसियों से निरन्तर समन्वय बनाकर रखें, राहत सामग्री की किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर, शीघ्र उपलब्ध कराई जाए।

बचाव अभियान की सारी उम्मीदें हाई पावर ड्रिलिंग मशीन पर टिकी

उत्तरकाशी(सं)। सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अन्य प्रयास फेल होने के बाद, अब बचाव अभियान की सारी उम्मीदें हाई पावर ड्रिलिंग मशीन पर टिक गई है। एनएचएआईडीसीएल के डायरेक्टर अंशु मनीष खलको ने बताया कि हाई पावर ड्रिलिंग एक घंटे में पांच मीटर तक पाइप को मलबे के अंदर घुसा सकती है। उन्होंने बताया कि सुरंग के अंदर जितना मलबा साफ किया जा रहा है, उतना ही वापस आ रहा है। इस कारण अब सारा ध्यान पाइप के जरिए मजदूरों तक पहुंच बनाने पर फोकस किया जा रहा है। इसके लिए 25 टन वजनी हाई पावर स्टेट ऑफ दि आर्ट ड्रिल मशीन मौके पर पहुंचा दी गई है।

सभी प्रवासी उत्तराखंड देवभूमि के ब्रांड एम्बेसडर : धामी

प्रवासी देवभूमि की संस्कृति और परंपराओं का प्रचार–प्रसार में निभा रहे अहम भूमिका

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इंदौर, मध्य प्रदेश में प्रवासी उत्तराखंडी समाज द्वारा आयोजित जनसभा में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था की ओर से आयोजित इस एकत्रीकरण कार्यक्रम में आकर वे अभिभूत हैं। कहा कि उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक कार्य किए जा रहे हैं, यह सराहनीय प्रयास है। चाहे बालिकाओं के विवाह के लिए किए जा रहे प्रयास हो या फिर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान हो, मेरिट लाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करना हो, सभी क्षेत्रों में उत्तराखंड सांस्कृतिक संस्था द्वारा कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भारत के अलग-अलग प्रांतों के लोग मिलते हैं तो एक भारत श्रेष्ठ भारत का अहसास होता है और जब उत्तराखंड के लोग मिलते हैं तो "श्रेष्ठ उत्तराखंड" का अहसास होता है। उन्होंने कहा कि हमारे सभी प्रवासी उत्तराखंडी देवभूमि के ब्रांड एम्बेसडर हैं। सभी देवभूमि की संस्कृति और परंपराओं का प्रचार और प्रसार में अहम भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और केन्द्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में ऐसे बहुत से काम हुए हैं, जो पहले नामुमकिन से लगते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में केन्द्र सरकार द्वारा राज्य में 1 लाख 50 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं। श्री केदारपुरी का पुनर्निर्माण व श्री बद्रीनाथ के सौन्दर्यीकरण के कार्य, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन, नेतृत्व एवं संकल्प का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं। जौलीग्रांट एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जा रहा है तथा ऊधमसिंह नगर में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट को भी विकसित किया जा रहा है। ऊधमसिंह नगर में एम्स का सेटेलाइट सेंटर

इंदौर, मध्य प्रदेश में प्रवासी उत्तराखंडी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत करते हुए।

स्थापित होने के बाद राज्य में दो-दो एम्स संचालित होने का रास्ता साफ हो जाएगा। केन्द्र सरकार के रीजनल कनेक्टिविटी योजना के अंतर्गत 13 स्थानों पर हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में हमनें प्रभावी कदम उठाये हैं, हम समान नागरिक संहिता को प्रदेश में जल्द ही लागू करने की तैयारी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां हर गांव को हाईवे से जोड़ने की राज्य सरकार की योजना है, वहीं पहाड़ों में रेल पहुंचने का स्वप्न ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना के माध्यम से शीघ्र ही साकार होने वाला है। प्रदेश में रोपवे निर्माण के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति की है। गौरीकुण्ड-केदारनाथ और गोविंदघाट-हेमकुण्ट साहिब रोपवे का निर्माण कार्य गतिमान है। राज्य में पूर्ण पारदर्शिता के साथ भर्ती परीक्षाएं हो, इसके लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है।

नकल विरोधी कानून लागू होने के बाद सभी सभी परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई हैं। इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक बनाने के लिए सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहे हैं। इस अवसर पर यशवंत सिंह बिष्ट, देवेन्द्र सिंह रावत, देवी दत्त त्रिपाठी, श्रीमती सीमा डंगवाल, श्रीमती गीता नेगी, रघुवीर सिंह रावत व अन्य प्रवासी उत्तराखण्डी उपस्थित थे।

जनजाति गौरव दिवसः उत्तराखण्ड की थारू, बुक्सा, जौनसारी और भोटिया जनजाति समुदाय के लोगों ने की राज्यपाल गुरमीत सिंह से भेंट

देहरादून। जनजाति गौरव दिवस के अवसर पर बुधवार को राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से उत्तराखण्ड की थारू, बुक्सा, जौनसारी और भोटिया जनजाति समुदाय के लोगों ने मुलाकात की। अपनी पारंपरिक पोशाक में आए इन लोगों को राज्यपाल ने जनजाति गौरव दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए राज्यपाल ने कहा कि सभी जनजातियां हमारा गौरव हैं, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व संवर्धन में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। स्वाधीनता संग्राम में भी जनजाति समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राज्यपाल ने कहा कि जनजाति समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत हम सभी को गौरवान्वित करती हैं। राज्यपाल ने कहा कि जनजाति समुदाय के लोगों से उनका पुराना जुड़ाव रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों में अपनी सेवा काल के दौरान अनुभवों को साझा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्हें लम्बे समय तक ऐसे लोगों के बीच कार्य करने का मौका मिला है। जनजाति समुदाय की संस्कृति और कला को बेहद करीब से जानने का मौका मिला है।

उन्होंने जनजाति समुदाय से आह्वान किया कि वे अपना उद्यम स्थापित करें और सरकार की रोजगारपरक योजनाओं का लाभ लें। राज्यपाल ने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि जनजाति समुदाय को आगे बढ़ाने के भरपूर अवसर प्रदान किये जाएं और उनकी बेहतर शिक्षा और रोजगार में सहयोग दें।

इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती गुरमीत कौर, निदेशक जनजाति कल्याण एस.एस.टोलिया, अपर निदेशक योगेन्द्र रावत, समन्वयक राजीव सोलंकी आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

करीब 15 घंटे बाद पिंडरघाटी की बिजली आपूर्ति बहाल

चमोली। नारायणबगड़–नलगांव के बीच मंगलवार रात को हाईटेंशन लाइन के तार टूटने से पिंडरघाटी के तीनों ब्लॉकों थराली, देवाल, नारायणबगड़ में बिजली आपूर्ति ठप रही। ऐसे में बुधवार की सुबह लोग बिना बिजली के परेशान रहे। बिजली पर आधारित लोगों के व्यवसाय प्रभावित रहे। करीब 15 घंटे बाद बुधवार को लाइन ठीक हुई और बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी। ऊर्जा निगम के एसडीओ अतुल कुमार ने बताया कि मंगलवार रात को करीब 12 बजे 33केवी की लाइन पर फॉल्ट आने से बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी। इसकी सूचना रात में ही मिल गई थी। बुधवार सुबह टीम ने मुआयना किया तो नारायणबगड़–नलगांव के बीच लाल मिट्टी में हाईटेंशन लाइन के तार टूटे मिले। लाइन की मरम्मत करने के बाद अपराह्न करीब तीन बजे के बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

जल्द घूमेगा डोईवाला चीनी मिल का पहिया

ऋषिकेश। आगामी गन्ना पेराई 2023–24 सत्र के लिए डोईवाला चीनी मिल का पहिया जल्द ही घूमने वाला है। पेराई सत्र को लेकर चीनी मिल का कार्य लगभग पूरा हो गया है। चीनी मिल चलाने की तिथि अभी घोषित नहीं हो पाई है। लेकिन चीनी मिल ने अपने ऋय केंद्र लगाने शुरू कर दिए हैं। किसान ईश्वरचंद अग्रवाल ने कहा कि पिछले सत्र में डोईवाला चीनी मिल ने अपना एक रिकॉर्ड बनाया है। चीनी मिल नए सत्र में पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने की पूरी कोशिश करेगी और किसानों की मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेगी।

छरबा ने जीता वॉलीबाल का फाइनल मुकाबला

विकासनग। सदभावना क्रीड़ा समिति की ओर से लांघा में चल रही वॉलीबाल प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हुआ। तीन दिनों तक चली प्रतियोगिता में छरबा ने फाइनल मुकाबला जीता। विजेता टीम को जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान ने ट्रॉफी दी। णा देते हैं। इसके साथ ही खेलों से सामुदायिक सहभागिता की भावना में भी पैदा होती है।

उन्होंने ग्रामीण युवाओं को खेलों में अपना कॅरियर बनाने की सलाह दी।कहा कि प्रदेश सरकार खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही है। पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा रही है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सपरिवार शांतिकुंज पहुंचे, अपनी स्व. बुआ का किया श्राद्ध संस्कार

हरिद्वार। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी सपरिवार अपनी बुआ स्व. श्रीमती गंगा देवी की अस्थियाँ लेकर देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज पहुँचे। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या की अगुवाई में संस्कार प्रकोष्ठ के आचार्यों ने श्राद्ध संस्कार का वैदिक कर्मकाण्ड कराया। श्री नड्डा जी की बुआ श्रीमती गंगादेवी 105 वर्ष की आयु की थी और उनका दो दिन पूर्व अपने गृह जनपद कुल्लु हिमाचल प्रदेश में निधन हो गया था। श्री नड्डा जी स्व. श्रीमती गंगा देवी जी से मातृवत् स्नेह रखते थे और वे जब भी कुल्लु आते थे, तब अपनी बुआ के आवास में ही रुका करते थे।

श्री नड्डा जी देवसंस्कृति विश्वविद्यालय में श्राद्ध संस्कार कराने के बाद अस्थि विसर्जन करने हरिद्वार के वीवीआईपी घाट पहुंचे और वैदिक कर्मकाण्ड के बीच अपनी बुआ की अवशेष को गंगाजी में नम आँखों से प्रवाहित किया। इसके पश्चात वे पुनः शांतिकुंज पहुंचे और अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या जी एवं श्रद्धेया शैलदीदी से भेंट किया। श्री नड्डा जी ने युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा जी की पावन समाधि में पुष्पांजलि अर्पित कर शांति व सद्गति की प्रार्थना की। ज्ञातव्य है कि स्व. गंगा देवी गायत्री परिवार से सन् 1970 से जुड़ी थी और युगऋषिद्वय की प्रिय शिष्या थी। स्व. श्रीमती गंगा देवी शांतिकुंज में विभिन्न साधना सत्रों में भाग लेती रही और जीवन के अंतिम पलों तक गायत्री परिवार के रचनात्मक कार्यों से जुड़ी रहीं।

शादीशुदा महिला से दुष्कर्म कर घर पर किया पथराव

ऋषिकेश। शादीशुदा महिला को झांसे लेकर युवक पहले होटल के कमरे में ले गया। इसके बाद उससे दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बनाकर फोटो भी खींच ली। महिला की फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर परिजनों से अश्लील चेटिंग की। मामला बढ़ा तो युवक ने महिला के घर पर पथराव कर ससुरालवालों को जख्मी कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पेशी के बाद कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक करीब 28 वर्षीय महिला ने मंगलवार को तहरीर देकर बताया कि ग्राम माधोवाला डोईवाला निवासी शुभम पुत्र गोपाल पाल की उससे मुलाकात हुई। बातचीत कर झांसे लेकर वह हर्रावाला के एक होटल में ले गया। आरोप है कि यहां कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिलाया। दुष्कर्म करते हुए अश्लील वीडियो बनाकर कई फोटो भी खींच ली। फेसबुक पर पीड़िता की फर्जी आईडी के जरिये परिजनों से अश्लील चेटिंग का पता चलने पर शुभम ने उसके घर पर पहुंचकर पथराव किया। पत्थरों की चपेट में आकर सास और ससुर भी जख्मी हो गए। कोतवाल देवेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि महिला का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376, 504, 506 और 336 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने झारखंड के छात्रों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी

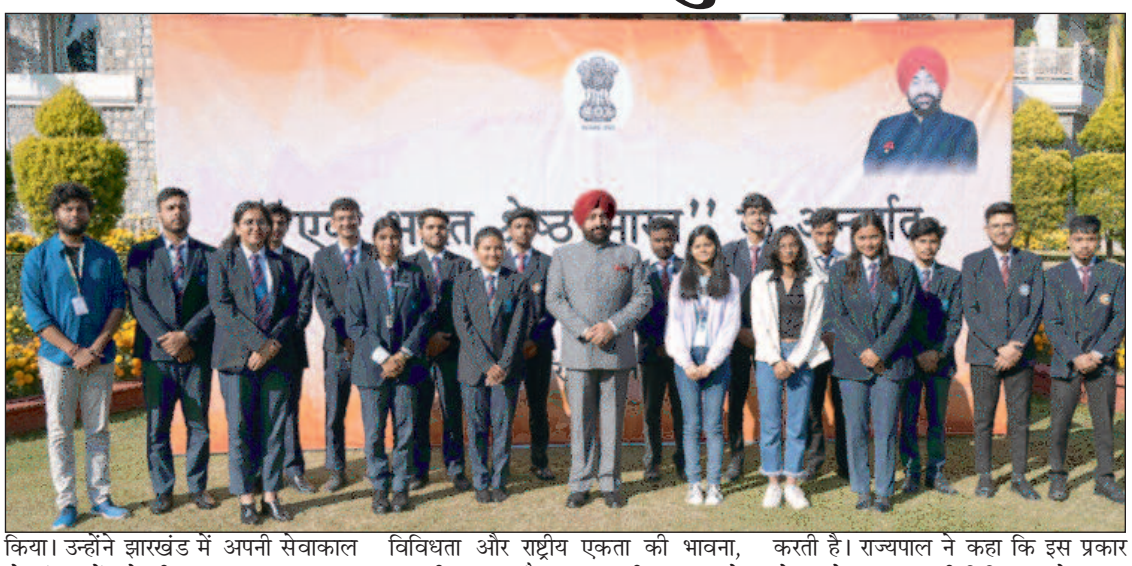

देहरादून। बुधवार को राजभवन में झारखंड का राज्य स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने प्रतिभाग करते हुए विभिन्न कॉलेजों से आए झारखंड के छात्रों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं का अहम योगदान होगा। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड विभिन्न प्रकार के खनिज के विशाल संसाधनों से संपन्न है और खनिज समृद्ध राज्य के रूप में देशभर में प्रमुख स्थान रखता है। भारत में कोयला, अभ्रक, कायनाइट और तांबे के उत्पादन में झारखंड सभी राज्यों में पहले स्थान पर है, जो इन खनिजों में इसके प्रभुत्व को उजागर करता है। उन्होंने कहा की झारखंड के नागरिकों का परिश्रम देश की उन्नति में उत्प्रेरक की भूमिका अदा कर रहा है।

राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा का स्मरण करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने झारखंड में अपनी सेवाकाल के संस्मरणों को भी इस अवसर पर साझा किया। राज्यपाल ने कहा कि ह्यह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्लह्ल विचारधारा से प्रेरित यह कार्यक्रम भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता की भावना, आपसी समझ और सम्मान की भावना को बढ़ाता है। भारत की जीवंत संस्कृति की गतिशीलता हमारे सांस्कृतिक और राजनैतिक विकास को बड़ी प्रेरणा प्रदान करती है। राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारत की विविधता को एकता के रूप में दर्शाते हैं साथ में हम सब को एक परिवार के रूप में जोड़ने का कार्य करते हैं।

बेपटरी हुई यातायात व्यवस्था, जाम खुलवाने को पुलिस ने बहाया पसीना

दीपावली के बाद शहर की सड़कों पर बढ़ा वाहनों का दबाव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई है। दीपावली के बाद अचानक सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में पूरे दिन सड़कों पर वाहन रेंग-रेंगकर चलते हुए नजर आए। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पुलिस को पसीना बहाना पड़ा। दीपावली के बाद पहाड़ आए प्रवासी वापस लौटने लगे हैं। अधिकांश प्रवासी अपने निजी वाहनों से आवाजाही कर रहे हैं। ऐसे में कोटद्वार की सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ गया है। मंगलवार शाम भी सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई थी। शहरवासियों का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया था। वहीं, बुधवार सुबह से ही सड़कें जाम रही। सबसे बुरी स्थित देवी रोड, नजीबाबाद रोड, झंडाचौक व स्टेशन रोड में बनी हुई थी। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए यातायात पुलिस की अतिरिक्त टीमें तैनात की गई थी। बावजूद इसके भी यातायात पूरे दिन रेंग-रेंग कर चलता रहा। शहरवासी मयंक कुमार ने बताया कि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए शहरवासी अधिकारियों से कई बार शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, सड़कों पर अतिक्रमण को लेकर पुलिस गहरी नींद में सोई हुई है। जाम के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है।

रेहड़ी-ठेली बनी मुसीबत

सड़कों पर जाम का मुख्य कारण अतिक्रमण व रेहड़ी-ठेली है। यही नहीं दीपावली संपन्न होने के बाद भी कई व्यापारियों ने अब भी सड़क किनारे दुकानें सजाई हुई है। ऐसे में आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़कों पर हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है।

खानापूर्ति है अभियान

अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाने के दावे केवल खानापूर्ति ही साबित हो रहे हैं। जबिक, देवी रोड, स्टेशन रोड, बदरीनाथ मार्ग, मानपुर रोड में सड़क तक दुकानें सजी हुई हैं। वाहन मरम्मत का कार्य भी सड़कों पर ही चल रहा है। जबकि, इस संबंध में शहरवासी कई बार अधिकारियों से शिकायत कर चुके हैं।

दीपावली पर्व के बाद वाहनों के भारी दबाव के चलते कोटद्वार के झंडाचौक में लगा वाहनों का जाम

21 महिलाओं को मिला नारी शक्ति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कण्वघाटी में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं को महिला सम्मान दिया गया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, प्रकाश चंद्र कोठारी ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मुख्य अतिथि जया बलूनी ने महिलाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम मे क्षेत्र की 21 महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस दौरान हिमाचाल विधानसभा में उत्तराखंड का बाल विधायक के रूप में प्रतिनिधित्व करने वाले प्रियांशु भट्ट को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर प्रधानाचार्या आरती कण्डवाल, सर्वोदय सेविका श्रीमती शशी प्रभा रावत, डा. मजू कपरवाण, डा. अपर्णा रावत, प्रणिता कंडवाल, हेमंती डबराल, रेखा नेगी, आरती भाटिया, किरन गौड़, सुमन कुकरेती, रजनी अग्रवाल, शीला धूलिया, आभा डबराल, शोभा रावत, हेमा जदली, रेनुका गुसाईं, लक्ष्मी नेगी, याशिका जखवाल, आकांक्षा रावत, इंदू डबराल आदि मौजूद रहे।

महिलाओं को सम्मानित करते अतिथि व अन्य

गुब्बारा फोड प्रतियोगिता में आरव रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : महिला सरोकारों के लिए काम कर रही सामाजिक संस्था स्वर की ओर से आयोजित दीपावली मिलन कार्यक्रम में कई प्रतियोगिताएं हुईं। इस दौरान हुई बच्चों की गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता में आरव अग्रवाल प्रथम रहे। जबकि बेस्ट फैमिली प्रतियोगिता में डॉ. रीता नेगी और प्रशांत नेगी का परिवार प्रथम रहा।

कार्यक्रम का उद्घाटन स्वर संस्था की अध्यक्ष उषा नैथानी व डॉ. एसपी नैथानी ने किया। इस मौके पर हुई छह वर्ष तक के बच्चों की गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता में आरव अग्रवाल, माधव खंडेलवाल ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सानवी, हलदर संयुक्त रूप से तृतीय रहे। बेस्ट फैमिली प्रतियोगिता में कविता अग्रवाल व हरिसूदन अग्रवाल का परिवार द्वितीय, किरण अग्रवाल व सुरेंद्र अग्रवाल का परिवार तृतीय रहा। मछली बाजार प्रतियोगिता में कपिल अग्रवाल व प्रशांत नेगी की जोड़ी विजेता, अक्षित वर्मा व विनय मिश्रा की जोड़ी उपविजेता रही। रीमा रावत और चैलसी की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। मोमबत्ती जलाना व बुझाना प्रतियोगिता में सुमित्रा नेगी व हिमांशु नेगी की जोड़ी ने प्रथम, कविता अग्रवाल व हरिसूदन अग्रवाल की जोड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर संस्था की सचिव लता खंडेलवाल, रामलीला समिति के सचिव अजय अग्रवाल, व्यापार मंडल के सचिव मयंक अग्रवाल, प्रमोद वर्मा, इंद्र बोहरा, डॉ. संदीपन हलदर और दिनेश जुयाल आदि मौजूद रहे।

चरण सिंह को मिला बिरसा मुंडा स्मृति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कण्वाश्रम ग्राम स्वराज समिति हल्दूखाता एवं गढ़वाल सर्वोदय मंडल के संयुक्त तत्वावधान में जन नायक बिरसा मुंडा की 148वीं जयन्ती व भूदान आंदोलन के प्रणेता भारतरत्न आचार्य विनोबा भावे की 41वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान चरण सिंह को बिरसा मुंडा स्मृति सम्मान दिया गया।

भाबर क्षेत्र के हल्दूखाता में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सन 1875 में जन्मे बिरसा मुंडा जननायक के साथ ही महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी थे। उन्होंने अंग्रेजों द्वारा आदिवासी समुदाय के लोगों की जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य को असफल कर दिया, जिस कारण उन्हें धरतीपुत्र के रूप में जाना जाता था। मात्र 25 साल की आयु में जेल में अंग्रेजों द्वारा धीमा जहर देने से वे शहीद हो गए। वहीं, आचार्य विनोबा भावे प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे।

उन्होंने वर्ष 1951 में भूदान आंदोलन आरंभ किया। इस आंदोलन ने किसानों को जागरूक किया था। मौके पर प. चरण सिंह को जन जागरूकता के लिए बिरसा मुंडा स्मृति सम्मान-2023 से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सर्वोदय सेविका शशिप्रभा रावत, सुरेन्द्र लाल आर्य, शूरबीर खेतवाल, राजेंद्र प्रसाद पंत, विनय रावत, नेत्र सिंह रावत, सत्यपाल, राजेश सिंह, सुरेंद्र सिंह व मनमोहन आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में चरण सिंह को सम्मानित करते सदस्य

खोह नदी के उत्थान को बजट मिलने का किया स्वागत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखण्ड राज्य को नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए लगभग 135 करोड रूपए की लागत परियोजना को राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की कार्यकारी समिति की बैठक में सैद्धान्तिक स्वीकृति मिली है। यह स्वीकृति मिलने पर कोटद्वार विधायक एवं उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया है।

स्वीकृत परियोजना में उत्तराखंड के जनपद पौड़ी गढ़वाल क्षेत्र के कोटद्वार शहर में खोह नदी में गिरने वाले 09 नालों को टैप करने एवं 21 एम.एल.डी. सीवेज शोधन संयंत्र के निर्माण की स्वीकृति हेतु सहमति प्रदान की गई है। परियोजना के निर्माण से खोह एवं रामगंगा नदी के पारिस्थितिकी तंत्र में तो सुधार होगा ही साथ ही गंगा नदी में दूषित जल का प्रवाह रुकेगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि खोह नदी में क्षेत्र के काफी नाले गिरते हैं जिससे नदी काफी दूषित हो गई है। परियोजना के तहत अब कोटद्वार में बहने वाली खोह नदी को भी साफ किया जायेगा साथ ही 21 एम.एल.डी. सीवेज शोधन संयंत्र का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने समस्त कोटद्वार वासियों की ओर से प्रधानमंत्री और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री का आभार व्यक्त किया है।

शौर्य दिवस के रूप में मनाई जाएगी पुण्य तिथि

कोटद्वार : जेएसआर मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से 17 नवंबर को दुनाव में महावीर चक्र विजेता राइफलमैन बाबा जसवंत सिंह रावत की पुण्य तिथि को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा। ट्रस्ट के सदस्य डॉ. प्रेम सिंह रावत ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत होंगे। कहा कि समिति की ओर से शौर्य दिवस के मौके पर वॉलीबाल और सामान्य ज्ञान, महिला मंगल दलों के लिए रस्साकशी प्रतियोगिताएं भी होंगी। 17 नवंबर को हंस फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य व नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निर्वाण दिवस पर महर्षि दयानंद के योगदान को किया याद

कोटद्वार : आर्य समाज की ओर से महर्षि दयानंद की 140वां निर्वाण दिवस मनाया गया। इस दौरान सदस्यों ने समाज सेवा के लिए महर्षि दयानंद के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बुधवार को आर्य समाज सत्संग भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महर्षि दयानंद का संपूर्ण जीवन मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपना बलिदान भी राष्ट्र के उत्थान के लिए दिया। सामाजिक बुराई जैसे जात-पात, पाखंड, छुआछूत, दहेज प्रथा व अंधविश्वास को समाप्त करने के लिए उन्होंने विशेष अभियान चलाए। कहा कि युवाओं को महर्षि दयानंद के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर आशुतोष वर्मा, शशी सिंघल, मीना अग्रवाल, आनंद प्रकाश, हिमांशु, राजेंद्र ग्रोवर, महेंद्र सैनी, नवीन आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग सहायता शिविर 18 को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मशरूम के क्षेत्र में कार्यरत व स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही दिव्या रावत की सहयोगी संस्था श्री दुर्गा वाहिनी सोशल वैलफेयर सोसाइटी की ओर से 18 नवंबर को घमंडपुर में दिव्यांग सहायता शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए दिव्या रावत ने बताया कि शिविर में दिव्यांगो को ट्राइ साइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी आदि उपकरण प्रदान किए जायेंगे। साथ ही लाइफ सेव मेडिकेयर हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. महिमा शांडिल्य के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया जायेगा। उन्होंने स्थानीय जनता और दिव्यांगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

भैयादूज पर्व पर निराश्रित घायल पशुओं की बचाई जान

रुद्रप्रयाग : भैयादूज के पावन पर्व पर विश्व अखाड़ा परिषद (गौ रक्षा विभाग) की टीम ने नगर क्षेत्र में निराश्रित घूम रही घायल गायों का ट्रीटमेंट किया, जबकि मंगलवार देर रात के समय तूना-बौंठा मोटरमार्ग पर बर्सू प्रतिक्षालय के नजदीक अंधेरे में फंसी गाय और उसके बछड़े की भी जान बचाई। गौ रक्षा विभाग के इस नेक कार्य की जिले में चारों ओर वाहवाही हो रही है और गायों के संरक्षण को लेकर लोग आगे आने लगे हैं। भैयादूज के पावन पर्व पर नगर क्षेत्र में निराश्रित घूम रही घायल गाय एवं नंदी के उपचार को लेकर विश्व अखाड़ा परिषद (गो रक्षा विभाग) की टीम ने अभियान चलाया। अभियान के तहत दो गायों एवं दो नंदी का ट्रीटमेंट किया गया, जबकि अन्य बेसहारा गायों को सब्जी विक्रेताओं की मदद से दुकान में बची सब्जी और फलों को खिलाया गया। इसके साथ ही जिला कलक्ट्रेट के नजदीक ग्राम पंचायत सांदर के मुख्य मार्ग पर स्थित गो धाम में गाय और नंदी के लिए चारापत्ति की व्यवस्था भी की। नगर क्षेत्र रुद्रप्रयाग में गायों के संरक्षण और उनके संवर्द्धन को लेकर लोग आगे आ रहे हैं। इस मौके पर पशुपालन विभाग के वेटरनरी फार्मासिस्ट इंद्रजीत, विश्व अखाड़ा परिषद (गौ रक्षा विभाग) के जिलाध्यक्ष रोहित डिमरी, महामंत्री भूपेन्द्र जगवाण, सचिव देवेन्द्र बिष्ट, विकास डिमरी, रोशन झा, आशू सेमवाल, अंकित राणा, विक्की कप्रवाण, धर्मेन्द्र कंडवाल, रोहित गोस्वामी सहित अन्य मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर मंगलवार देर रात गो रक्षा विभाग की टीम ने तूना-बौंठा मोटरमार्ग पर बर्सू प्रतिक्षालय के नजदीक अंधेरे में फंसी गाय और नंदी का रेस्क्यू भी किया। स्थानीय निवासी विक्की कप्रवाण अपने घर की ओर जा रहे थे तो उन्हें बर्सू प्रतिक्षालय के नजदीक एक गाय और नंदी दिखाई दिया। यहां पर गुलदार का भय बना होने के बाद विक्की कप्रवाण ने इसकी जानकारी गो रक्षा विभाग के जिलाध्यक्ष रोहित डिमरी को दी। जिलाध्यक्ष ने सूचना का तत्काल संज्ञान लेते हुए गौ रक्षा विभाग की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल अवस्था में पड़ी गाय की बछिया को उठाकर बोलेरो वाहन में रखा गया और सुरक्षित ढंग से बछिया को अस्पताल पहुंचाकर ट्रीटमेंट किया गया, जबकि गाय को भी सुरक्षित स्थान पर रखा गया। स्थानीय निवासी विक्की कप्रवाण ने बताया गाय और नंदी के संरक्षण और उनके संवर्धन को लेकर विश्व अखाड़ा परिषद का गौ रक्षा विभाग बेहतर कार्य कर रहा है। (एजेंसी)

राइका बुढ़ना में 26 नवंबर को होगा लस्या महोत्सव

रुद्रप्रयाग : विकासखण्ड जखोली के राजकीय इण्टर कालेज बुढ़ना प्रांगण में 26 नवंबर को लस्या महोत्सव 2023 का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें रंगकर्मी डा. राकेश भट्ट द्वारा लोक नाट्य चक्र व्यूह मंचन के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहे लोगों को लस्या गौरव सम्मान 2023 से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम संयोजक विधायक प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह भंडारी ने विज्ञप्ति में बताया है कि सेवानि. प्रधानाचार्य विजेन्द्र नेगी संरक्षक व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह की अध्यक्षता में आयोजित लस्या महोत्सव के मुख्य अतिथि विधायक भरत सिंह चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि क्षेत्र पंचायत प्रमुख प्रदीप थपलियाल होंगे, जबकि क्षेत्र के वरिष्ठ सर्जन डा. महेश भट्ट व निम के पूर्व प्राचार्य कर्नल अजय कोठियाल मोटिवेटर स्पीकर होंगे। कार्यक्रम संयोजक भूपेंद्र भण्डारी ने बताया है कि कार्यक्रम के आकर्षण उत्सव ग्रुप के डा. राकेश भट्ट द्वारा लोक नाट्य चक्र व्यूह के माध्यम से अभिमन्यु वध की प्रस्तुति दी जाएगी। भूपेंद्र भण्डारी ने बताया कि पहली बार आयोजित किया जा रहा लस्या महोत्सव में स्थानीय बाजार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केवल स्थानीय व्यापारियों व काश्तकारों के स्वयं के उत्पादित दाल,माल्टा,घी,झंगोरे की खीर, आलू के गुटखे, कोदे के बिस्कूट, सोयाबीन की नमकीन व चौलाई के लड्डू आदि परोसे जायेंगे।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अनुकरणीय कार्य कर रहे युवाओं को उनके माता-पिता सहित लस्या गौरव सम्मान 2023 से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों से कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है। (एजेंसी)

पेंशनरों ने की मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग

चमोली : पेंशन वेलफेयर एसोसिएशन ने सिमली महिला बेस अस्पताल को उच्चीकृत कर यहां पर मेडिकल कालेज खोलने की मांग की है।

एसोसिएशन ने बीते मंगलवार को गौचर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे ज्ञापन में कहा कि सिमली पूरे जिले का केंद्र बिंदु होने के साथ ही पर्याप्त जगह भी है। ज्ञापन देने वालों में एसोसिएशन के अध्यक्ष एआर बहुगुणा, बीपी सती, महेंद्र गैरोला, देवी प्रसाद पुरोहित, कलम सिंह आदि शामिल थे। (एजेंसी)

नवेंद्र, राजा, माधवी ने अपने नाम की चैंपियनशिप

श्रीनगर गढ़वाल : बाल दिवस के अवसर पर रेनबो पब्लिक स्कूल चौरास में एथलेटिक मीट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फर्राटा दौड़, चक्का फेंक, लंबी कूद, रिले रेस आदि खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सीनियर वर्ग में बालकों में कक्षा 11वीं के नवेंद्र, जूनियर बालक वर्ग में कक्षा आठवीं के राजा, जूनियर बालिका वर्ग में आठवीं की माधवी ने चैंपियनशिप अपने नाम की। इस मौके पर मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रधानाचार्य डा. रेखा उनियाल ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही प्राथमिक वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए बोल रेस, बैलून रेस, मेंढक रेस, सैग रेस, जूनियर और सीनियर वर्ग में गोला फेंक, चक्का फेंक, लंबीकूद, फर्राटा दौड़, रस्सा कस्सी सहित आदि खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में ब्लू हाउस और सीनियर बालक वर्ग में येलो हाउस विजेता रही। प्रतियोगिता के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य डा. रेखा उनियाल ने सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। (एजेंसी)

भाजपा को लग रहा एमपी में हार का डर : करन माहरा

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि भाजपा नेताओं को मध्यप्रदेश में हार का भय सता रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री सहित भाजपा नेता कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गलत टिप्पणी कर रहे हैं। माहरा ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेताओं की ओर से विपक्ष के शीर्ष नेता के लिए इस तरह के शब्दों का प्रयोग ठीक नही है। यह उनकी घबराहट को उजागर करता है। माहरा ने कहा कि आलू से सोना बनाने की बात राहुल गांधी ने नही की, बल्कि भाजपा की ओर से इसका दुष्प्रचार किया गया, जबकि सच्चाई इससे बहुत परे है। उन्होंने कहा कि सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियां भी विपक्षी नेताओं को तंग करती हैं,

नेत्र शिविर में 100 लोगों ने कराई जांच

टिहरी : चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत बिरोगी में हंस फाउंडेशन की ओर से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगवाया गया। शिविर में चिकित्सकों ने सौ से अधिक मरीजों के आंखों की जांच की। मुख्य नेत्र चिकित्सक अमित रावत ने बताया कि शिविर में 19 मरीजों के आंखों में अधिक दिक्कत होने के कारण उनका ऑपरेशन किया जाना है। जबकि 35 लोगों को जांच के बाद निःशुल्क चश्मा तथा 42 लोगों को आंखों की दवाइयां दी गई। हंस फाउंडेशन जुड़े मुकेश नेगी ने बताया कि विगत माह गजा में लगाए गए निःशुल्क नेत्र शिविर में जिन लोगों को आंखों के ऑपरेशन के लिये फाउंडेशन के सतपुली अस्पताल ले जाया गया था, उन सभी 17 लोगों की बुधवार को आंखों की जांच कर दवा दी गई। बताया जिन मरीजों के आंखों को ऑपरेशन किया जाना उन्हें पौड़ी जिला स्थित सतपुली अस्पताल ले जाया जाएगा। मरीजों के लिए सभी सुविधा निःशुल्क होगी। भाजपा मंडलाध्यक्ष रतन सिंह रावत ने कहा कि हंस फाउंडेशन क्षेत्र में समय समय पर निःशुल्क शिविर लगाकर गरीबों की मदद करता आ रहा है, जिसका लोगों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने फाउंडेशन के संस्थापक भोले महाराज और माता मंगला का आभार जताया है। इस मौके पर फाउंडेशन के दुर्गेश मैंदोला, वीर सिंह असवाल, कुन्दन सजवाण, चतर सिंह रावत, राजेन्द्र नेगी, सोना देवी, भगवती कोठारी सहित कई लोग उपस्थित थे। (एजेंसी)

आईटीबीपी ने लगाई आधुनिक हथियारों की प्रदर्शनी

चमोली : गौचर के मेला मैदान में भारत तिब्बत सीमा पुलिस ने अपने रक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई। इसमें कई आधुनिक हथियारों को प्रदर्शनी स्टॉल पर रखा गया है। सीमा की चौकसी में इन हथियारों का प्रयोग किया जाता है। प्रदर्शनी पांडाल का उद्घाटन आईटीबीपी के चीफ पैटर्न हिमवीर व्वाइज वेलफेयर मुज्जफर नसीमा ने रिब्बन काटकर किया। इस दौरान आईटीबीपी के आठवीं वाहिनी के कमाडेंट एच. सिद्दीकी ने बताया कि प्रदर्शनी में आपदा प्रबंधन में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों को भी रखा गया है। आईटीबीपी मेले में चिकित्सा परामर्श शिविर का भी आयोजन करेगा। साथ ही पूर्व सैनिकों की समस्याओं के लिए विचार गोष्ठी का आयोजन करेगा। मेले में लगे वाहिनी के प्रदर्शनी स्टॉल पर हथियारों के अवलोकन के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। (एजेंसी)

छात्र-छात्राएं सीखेंगे आत्मनिर्भर बनने के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। टिहरी : धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्रनगर में जल्द ही उद्यमिता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में छात्र-छात्राओं को उद्यमिता व कौशल से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के गुर सिखाए जाएंगे। अहमदाबाद, गुजरात के भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे महाविद्यालय के पर्यटन विभागाध्यक्ष डॉ. संजय महर ने बताया कि उत्तराखंड शासन एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में 5 से 10 तक नंवबर पांच दिवसीय फैकल्टी मेंटल डेवलपमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अंतर्गत उद्यमिता शिक्षा के साथ ही शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में कौशल संवर्धन एवं रोजगार को प्रेरित करना है। नवाचार, स्टार्टअप, उद्यमिता आइडियाज, समस्या का चुनाव, बिजनेस वैल्यू, ब्रांडिंग, फंडिंग, उद्यमिता शिक्षा, उत्तराखंड उत्पाद, पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग, योग, आयुर्वेद, हर्बल, एरोमेटिक मेडिसिनल प्लांट्स के क्षेत्र में संभावनाएं, छात्र उद्यमिता, देवभूमि उद्यमिता योजना एवं इसके सशक्त प्रभावीकरण पर उद्यमिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे विषय विशेष विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम से लौटने के बाद मेंटर के रुप में डॉ. महर महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं को कौशल विकास एवं नवाचार एवं उद्यमिता का प्रशिक्षण देंगे। (एजेंसी)

मान्या भाटिया ने जीता मेडल

कोटद्वार : कोटद्वार की बेटी मान्या भाटिया ने वर्ल्ड स्कालर्स कप दोहा में मेडल जीतकर प्रदेश और कोटद्वार का नाम रोशन किया है। देवी रोड निवासी व्यवसायी गौरव भाटिया की बेटी मान्या देहरादून के वेनटेज हॉल गर्ल्स रेजिडेंशियल स्कूल की छात्रा है। स्कूल की छात्राओं को जून माह में वर्ल्ड स्कॉलर्स कप दोहा ग्लोबल राउंड प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिला। यहां मान्या 6 मेडल जीत कर येल यूनिवर्सिटी यूएसए के अगले राउंड के लिए सेलेक्ट हुई। मान्या के अलावा 9 अन्य छात्राओं ने भी इस प्रतियोगिता के अगले राउंड के लिये क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में पौड़ी जिले से मान्या भाटिया का चयन हुआ। अक्टूबर माह में इनमें से 6 छात्राओं ने येल यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया, जहां मान्या सहित सभी छात्राओं ने देश की तरफ से प्रतिभाग करते हुए मेडल हासिल किए और क्षेत्र का नाम रोशन किया।

बूंखाल कालिंका मेला दो दिसंबर को

पौड़ी : राठ क्षेत्र में होने वाल प्रसिद्ध बूंखाल कालिंका मेला आगामी 2 दिसंबर को होगा। मेले में क्षेत्रीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत भी हिस्सा लेंगे। मेले को भव्य मनाने को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। बुधवार को मंदिर परिसर में आयोजित बैठक में बलि निषेध मां बूंखाल कालिंका मेला समिति के अध्यक्ष गजे सिंह ने कहा किहर साल की तरह इस बार भी मेला भव्य रूप से मनाया जाएगा। बताया कि मेले में जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण जागरों की प्रस्तुति देंगे। मेले में डोली यात्रा मंलुंड गांव से शुरू होती है। इसके साथ ही नलाई, मरगांव, गोदा, चौंडा, खंडखील, नौगांव आदि गांवों से भी डोली यात्रा मंदिर आएगी। इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते है। बैठक में समिति के सचिव विनोद गोदियाल, कोषाध्यक्ष विकास, मंदिर के मुख्य पुजारी रमेश चंद्र गोदियाल, जेपाल सिंह, धीरज कंडारी, विजय सिंह, कमल चौहान, कमल रावत, गंगा प्रसाद, पूरण सिंह, मनोज कुमार आदि शामिल थे।

थापाल गांव में रामलीला के 107वें मंचन की तैयारियां पूरी

पौड़ी : कल्जीखाल ब्लाक की मनियारस्यूं पटटी के थापला गांव की ऐतिहासिक रामलीला के 107वें मंचन की तैयारियां पूरी कर ली गई है। रामलीला मंचन के लिए मुख्य पात्रों के किरदार निभाने प्रवासी ग्रामीण शहरों से आते है। रावण, हनुमान, सीता, सूर्पनखा, जनक आदि जैसे अभिनय करने वाले मेहमान कलाकार होते हैं। वही संगीत में भी सुप्रसिद्ध नामी संगीतकार विशेष तौर पर बुलाए जाते है। रामलीला मंचन के मुख्य संयोजक संजय असवाल के अथक प्रयासों, ग्रामीणों व प्रवासियों के सहयोग से रामलीला का मंचन किया जाता हैं। जिसमें मुख्य किरदार निभाने वाले रंगमंच के अनुभवी कलाकार भी रामलीला में शिकरत करते हैं। ग्राम प्रधान राकेश कुमार ने बताया कि रामलीला मंचन शुरू कर लिया गया है। वही, पटवालस्यूं पट्टी के ग्राम गिदरास की रामलीला का मंचन भी शुरू हो गया है। रामलीला समिति के निर्देशक एवं सांसद प्रतिनिधि संजय पटवाल ने बताया रामलीला मंचन में बाहरी प्रांतों में रहने वाले प्रवासीगण गांव पहुंच चुके है। एक सप्ताह तक गांव में उत्सव जैसा माहौल बना रहता है।

1 दिसंबर से शुरू होगा जनपदीय खेल महाकुंभ

पौड़ी : पौड़ी व कोटद्वार में 1 दिसंबर से जनपदीय खेल महाकुंभ आयोजित होगा। ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ के तहत आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी जनपद स्तरीय खेल महाकुंभ में प्रतिभाग करेंगे। जिला प्रशासन व जिला युवा कल्याण विभाग पौड़ी के तत्वावधान में इन दिनों जिले में न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ आयोजित हो रहे हैं। युवा कल्याण विभाग के मुताबिक न्याय पंचायत स्तर की प्रतियोगिताएं संपन्न होने के बाद 22 नवंबर से निर्धारित तिथियों में जिले के पंद्रह विकासखंडों में ब्लॉक स्तरीय खेल महाकुंभ आयोजित होगा।

कोट ब्लॉक के फलस्वाड़ी गांव में 24 नवंबर को लगेगा मंसार मेला

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कोट ब्लाक के फलस्वाड़ी गांव में आगामी 24 नवंबर को मंसार मेला लगेगा। मेले को भव्य रुप देने के लिए 22 नवंबर से देवप्रयाग स्थित रघुनाथ मंदिर से तीन दिवसीय सीता सर्किट परिपथ यात्रा शुरू होगी।

क्षेत्र के वाल्मीकि मंदिर परिसर में पूर्व ब्लाक प्रमुख सुनील लिंगवाल की अध्यक्षता में बुधवार को तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक में सीता सर्किट के निर्माण को लेकर व्यापक विचार विमर्श किया गया। इस दौरान बताया गया कि फलस्वाड़ी गांव स्थित माता सीता की समाधि स्थल पर 24 नवंबर को मंसार मेले का आयोजन होगा। इस दौरान सीता सर्किट परिपथ समिति सितोनस्यूं का भी गठन किया गया। जिसमें आचार्य अनुसूया प्रसाद सुंद्रियाल को संयोजक, कोट के पूर्व क्षेत्र प्रमुख सुनील लिंगवाल को अध्यक्ष, सुखदेव रावत को सचिव, राजपाल रौथाण को उपाध्यक्ष तथा मयूर भटट को सह सचिव, जगमोहन सिंह रौथाण को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

यात्रा के संयोजक आचार्य अनुसूया प्रसाद सुंद्रियाल ने बताया कि सीता सर्किट का निर्माण कार्य जल्द शुरु किया जाना जरुरी है। कहा कि इस संबंध में सरकार से भी मांग की जाएगी। बताया कि 22 नवंबर को रघुनाथ मंदिर से सीता परिपथ यात्रा शुरु होगी।

जो विधाकोटी होते हुए रात्रि विश्राम मुच्छयाली गांव में करेगी। बताया कि 23 नवंबर को यात्रा मुच्छयाली गांव से होते हुए घुड़दौड़ी, डांडापानी से देवल गांव में रात्रि विश्राम करेगी। उन्होने बताया कि 24 नवंबर को यात्रा निशान के साथ फलस्वाड़ी गांव स्थित माता सीता की समाधि स्थल पर पहुंचेगी। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर आर्य, सुरेंद्र रावत, प्रवीन पंवार, अनिल गुसांई, उत्तम लिंगवाल, राजेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

झूला पुल खोलने की मांग को लेकर दिया सांकेतिक धरना

बागेश्वर(सं)। सरयू पर बने झूला पुल खोलने की मांग को लेकर कांग्रेस तथा स्थानीय व्यापारी एक बार फिर मुखर हो गए हैं। मांग को लेकर उन्होंने दो घंटे का सांकेतिक धरना दिया। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ता व दुकानदार सरयू पुल के पास पहुंचे। यहां सांकेतिक धरना दिया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि झूला पुल बंद होने से कत्यूर बाजार तथा आसपास के दुकानों का कारोबार चौपट हो गया है। प्रशासन ने पहले जनवरी में पुल बंद किया। बाद में दोबारा इसे बंद कर दिया। इस मामले में प्रशासन ने अक्तूबर में सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद पुल खोलने की बात की, लेकिन नवंबर आधा समाप्त हो गया है। अभी तक पुल नहीं खोला गया है। पुल नहीं खुलने से व्यापारी परेशान हैं। उन्होंने जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगवत डसीला, पूर्व जिपं अध्यक्ष हरीश ऐठानी, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, लोकमणि पाठक, फिरोज अख्तर, विपिन साह, गीता रावल, वीरेंद्र दानू, राजेंद्र गिरी, सचिन रावल, प्रीति आर्या, भीम कुमार, ललित गोस्वामी, प्रमोद जोशी, गोपाल राम टम्टा, शिखर साह, पवन साह, राजेंद्र टंगड़िया आदि मौजूद रहे।

नैनीताल से मुक्तेश्वर तक पर्यटकों की भीड़

नैनीताल(सं)। दीपावली वीकेंड के बाद पर्यटकों का नैनीताल पहुंचना जारी है। इन दिनों नैनीताल से मुक्तेश्वर तक जिले के सभी पर्वतीय क्षेत्रों में सैलानियों की खासी भीड़ है। इस बीच मुक्तेश्वर एवं रामगढ़ में बड़ी संख्या में पर्यटक पहाड़ पर प्रकृति के आनंद को पहुंचे हैं। सरोवर नगरी में दीपावली से पूर्व दस नवंबर से पर्यटकों की आवाजाही शुरू हो गई थी। लगातार अवकाश के कारण रोज यहां काफी पर्यटक पहुंचने लगे। बुधवार को अवकाश होने के कारण एक बार फिर नैनीताल में पर्यटकों की इजाफा हो गया। यही नहीं इस बीच भवाली से लेकर मुक्तेश्वर तक सैलानियों की खासी भीड़ रही। इस दौरान सड़कों पर जाम की स्थिति भी आम रही। पर्यटकों ने नैनी झील में नौका विहार का लुत्फ उठाया। साथ ही मुक्तेश्वर से हिमालय दर्शन को लेकर भी सैलानियों में खासा क्रेज देखा गया। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन नैनीताल के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह बिष्ट के अनुसार दीपावली पर्व के दौरान अवकाश के चलते सैलानियों की आमद में इजाफा हुआ है।

एनएच पर बना स्पीड ब्रेकर बना परेशानी का सबब

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बद्रीनाथ राजमार्ग पर पौड़ी चुंगी के पास बना स्पीड ब्रेकर दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। आलम यह है कि राजमार्ग पर बने इस स्पीड ब्रेकर से हर दिन दुर्घटनाएं हो जा रही हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों ने राजमार्ग खंड से इस स्पीड ब्रेकर को हटाने या इसके संकेतांक लगाने की मांग की है। सुरक्षा की दृष्टि से बनाये इस स्पीड ब्रेकर की लम्बाई व मोटाई इतनी हैं कि यहाँ से गुजरने वाले चार पहिया और दुपहिया वाहनों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। स्पीड ब्रेकर पर किसी भी प्रकार के संकेतांक नहीं हैं ऐसे में कई बार स्पीड ब्रेकर दिखाई नहीं देता है जिससे दुपहिया व चार पहिया वाहन ब्रेकर पर उछल जाते हैं। जिससे वाहन अनियंत्रित हो जाते हैं, जिसमें ज्यादातर दुपहिया वाहन शामिल हैं। दुपहिया वाहन अक्सर ब्रेकर पर उछलने से अनियंत्रित होकर झटके से सड़क पर गिर जाते हैं, जिससे आये दिन यहाँ पर दुर्घटनाएं हो रही हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता बीएन द्विवेदी ने कहा कि यह स्पीड ब्रेकर पूर्व में सुरक्षा की दृष्टि से ही बनाया गया था हालांकि इस पर किसी भी प्रकार के संकेतांक नहीं हैं।

एलएलबी के छात्र पार्थ के हत्यारों को नहीं खोज पाई पुलिस

हल्द्वानी(सं)। एलएलबी के छात्र पार्थ की हत्यारों को पुलिस 15 दिन बाद भी नहीं खोज पाई है। यह स्थिति तब है जबकि पार्थ के परिजन तीन युवकों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर चुके हैं। पुलिस आरोपियों से हत्या का राज उगलवाने में नाकाम साबित होती दिख रही है। हालांकि पुलिस आरोपियों से कई बार पूछताछ कर चूकी है। मालूम हो कि बीते 31 अक्टूबर की रात मूल से पिथौरागढ़ निवासी पार्थ सिंह सामंत (23) पुत्र राजेंद्र सिंह सामंत बच्चीनगर कठघरिया का आरके टेंट हाउस रोड में उसी के कार में शव मिला था।

लंबे समय से शिक्षकों की अनदेखी कर रही सरकार

संवाददाता

बागेश्वर। एससी एसटी शिक्षक एसोसिएशन ने प्रवक्ता प्रधानाध्यापक पदों पर पदोन्नति नहीं करने पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि सरकार लंबे समय से शिक्षकों की मांगों की अनदेखी कर रही है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय टम्टा ने कहा कि माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य पदों पर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती के फैसले को आज तक वापस नहीं लिया गया है। माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाचार्य पदों की अर्हता के लिए जैसे मानक बनाए गए हैं, उन मानकों में विभाग के 10 फीसदी शिक्षक ही आते हैं। विभाग के मात्र 10 फीसदी शिक्षकों से 50 फ़ीसदी पदों को भरना सरासर अनुचित है।

यह फैसला लंबे समय से वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति की आस लगाए शिक्षकों के साथ अन्याय है। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 90 फीसदी विद्यालय प्रधानाचार्य विहीन हैं। प्रदेश में प्रधानाचार्य के 1000 से भी अधिक पद रिक्त हैं। जिन्हें लोक सेवा आयोग से भरे जाने की बात की जा रही है, जबकि लोकसभा आयोग को विज्ञापन से लेकर परिणाम जारी करने तक और नियुक्ति देने तक चार–पांच वर्ष का समय लग जाता है। यदि सीधी भर्ती परीक्षा के निर्णय को सरकार वापस नहीं लेती है, तो शिक्षक न्यायालय की शरण में जाएंगे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शैक्षिक व्यवस्था में सुधार के लिए शीघ्र ही प्रधानाचार्य पदों को भरे जाने की आवश्यकता है। 17 नवंबर से राजकीय शिक्षक संघ ने प्रभारी प्रधानाचार्य पदों से त्यागपत्र देने का आह्वान किया। लेकिन संघ यह फैसला शिक्षक एसोसिएशन के सदस्यों पर लागू नहीं होता है। क्योंकि शिक्षक एसोसिएशन के बहुत से सदस्य राजकीय शिक्षक संघ के सदस्य नहीं है।

मुख्यमंत्री के कैंप कार्यालय में 20 नवंबर को प्रदर्शन करेंगे गुरिल्ले

अल्मोड़ा(सं)। एसएसबी स्वयं सेवक कल्याण समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष ब्रह्मा नन्द डालाकोटी तथा जिलाध्यक्ष शिवराज बनौला ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि एसएसबी स्वयं सेवकों द्वारा 20 नवंबर को मुख्यमंत्री के टनकपुर स्थित कैंप कार्यालय में प्रदर्शन किया जायेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उसी दिन गुरिल्लों के कुमाऊं मंडल के जिलाध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों तथा अन्य पदाधिकारियों की बैठक भी होगी जिसमें गुरिल्लों के आगे के कार्यक्रम तय किये जाएंगे। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि 9 अगस्त 2023 को देहरादून में मुख्यमंत्री आवास कूच के समय मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में उत्तराखंड शासन में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने आश्वासन दिया था कि 15–20 दिनों में मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक बुलाकर गुरिल्लों की मांगों पर कार्यवाही की जाएगी जो बैठक अभी तक नहीं बुलाई गई है

पुरस्कार वितरण के साथ दीप महोत्सव संपन्न

बागेश्वर(सं)। ग्राम पंचायत मटेना में आयोजित 48 वां दीप महोत्सव रंगारंग कार्यक्रमों व पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गया है। समापन करते हुए पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने कहा कि पूरे जनपद में मटेना ही एकमात्र ऐसा गांव है, जहां लगातार 47 सालों से दीप महोत्सव आयोजित हो रहा है। इस मौके पर कलाकारों ने लोक संस्कृति के विविध रंग बिखेरकर समा बांध दिया। नवयुवक मंगल दल के तत्वावधान में आयोजित महोत्सव के समापन पर पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने कहा कि मटेना के युवा संस्कृति को बचाने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं। रेडक्रॉस सोसायटी के जिला सचिव आलोक पांडे, स्वीप के नोडल अधिकारी उमेश जोशी, शिक्षक मोहन जोशी, नवीन मिश्रा, शंकर टम्टा, मनोज खोलिया, सुरेश खोलिया, सुरेश जोशी, महेश पांडे, भाजपा नेता गौरव दास, मंडल महामंत्री डीके जोशी ने कलाकारों को अपनी ओर से पुरस्कार दिए और मिष्ठान वितरित किया। अध्यक्षता नव युवक मंगल दल के अध्यक्ष कैलाश खुल्बे ने तथा संचालन चंद्रशेखर बड़सीला ने किया।

धूमधाम से मनाया गया भाई दूज का पर्व

बागेश्वर(सं)। जिले में भाई दूज का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। बहनों ने भाइयों के माथे पर मंगल तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। वहीं भाइयों ने बहनों को उपहार भेंट कर मंगलकामना की। भाई दूज को लेकर बुधवार सुबह से जिलेभर में तैयारियां शुरू हो गईं। जिन लोगों की बहनें घर पर ही थीं, उन्होंने स्नान ध्यान करने के बाद घरों में सुंदर चौक तैयार किया। बहनों ने भाइयों को मंगल तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाया। बहनों ने गरी का गोला और मिठाई भी भेंट की। इसके बदले भाइयों ने बहनों के लिए मंगलकामनाएं करते हुए उन्हें उपहार भेंट किए।

बाजार बंद को लेकर दो भागों में बंटे भराड़ी के व्यापारी

बागेश्वर(सं)। भराड़ी बाजार बंद को लेकर भराड़ी के व्यापारी दो भागों में बंट गए। इस कारण बाजार बंद का निर्णय फेल हो गया। सुबह से ही बाजार खुला रहा, हालांकि पर्व व पूर्व में बाजार बंद को लिए गए निर्णय के कारण बाजार में रौनक नहीं के बराबर रही। अब जल्द व्यापारियों की बैठक होगा। इसके बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा।

मालूम हो कि बीआरओ की सड़क चौड़ीकरण का कार्य होना है। इसमें भराड़ी के करीब 200 दुकानें प्रभावित हो रही है। इसके विरोध में व्यापारियों ने बुधवार को बाजार बंद रखने का निर्णय लिया था। व्यापारियों ने इसके लिए बकायदा प्रेस नोट जारी किया था। बुधवार की सुबह से ही बाजार खुलने लगा। व्यापारियों का कहना है कि उन्हें बाजार बंद को लेकर अध्यक्ष व सचिव से कोई बात नहीं हुई थी। इससे उन्होंने सुबह से ही दुकानें खोलनी शुरू कर दी। व्यापार मंडल अध्यक्ष सुबह से ही नदारद थे। कुछ दुकानें सुबह के समय बंद थी,

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेंडर संख्या	223-DRM-MB-23-24 Dt 10.11.2023
कार्य का नाम	Pre and post attention work in connection with tamping by Tamping Machine in the section of DEN/IV/MB Estimate No. 37/2018 (RRSK).
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	12.12.2023
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00
अनुमानित लागत	1,38,58,506.20
धरोहर राशि	2,19,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	28.11.2023

टेन्डर न. DEN-IV/Publication/23 दिनांक 14.11.2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3561/23

सम्पादकीय

परियोजना निर्माण में लापरवाही बेशुमार

उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में चार दिन से फंसे मजदूरों की सुरक्षा को लेकर युद्ध स्तर पर बचाव की कारवाई की जा रही है, हालांकि अभी तक तमाम कोशिशें के बाद भी 40 मजदूरों को निकाला नहीं जा सका है। वही इस प्रकरण के बाद उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए आप इस प्रकार के परियोजना कार्य पर सवाल उठने लगे हैं। पर्यावरणविद पहाड़ों को विस्फोट से उड़ाने एवं ड्रिलिंग करने की प्रक्रिया पहाड़ों के लिए घातक बता रहे हैं। इधर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में निर्माण को लेकर कई लापरवाही भी अब धीरे–धीरे खुलकर सामने आ रही हैं। अपने साथियों के फंसे होने के बाद अब मजदूरों का सब्र भी टूट रहा है लिहाजा यह बेहद जरूरी हो गया है कि राज्य सरकार जल्द से जल्द रेस्क्यू कार्य को परिणाम तक पहुंच कर मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकले। राज्य सरकार की ओर से युद्ध स्तर पर प्रयास किया जा रहे हैं लेकिन रेस्क्यू कार्य के दौरान ही भूस्खलन होने से जटिलता बढ़ रही है। उधर, अब सुरंग के निर्माण में लापरवाही को लेकर एक और बात सामने आ रही है जिसमें कहां जा रहा है कि सुरंग के जिस संवेदनशील हिस्से में भूस्खलन हुआ वहां उपचार के लिए गार्टर रिब की जगह सरियों का रिब बनाकर लगाया गया है। तकनीकी पक्ष यह कहता है कि यदि इस स्थान पर गार्टर रिब का प्रयोग किया गया होता तो भूस्खलन नहीं होता। यदि वाकई इस प्रकार की लापरवाही बरती गई है तो इसके लिए कंपनी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि इस छोटी सी भूल के कारण 4 दिन से 40 मजदूरों की जान मुश्किल में पड़ी हुई है। ऐसा नहीं है कि इस क्षेत्र में भूस्खलन पहली बार हुआ हो बल्कि सिलक्यारा क्षेत्र में भूस्खलन की सूचनाएं पहले भी आती रही हैं। यह भी एक घोर लापरवाही है कि इस क्षेत्र में टनल के निर्माण के दौरान जिस प्रकार की की सुरक्षा व्यवस्था अमल में लाई जानी चाहिए थी वह निर्माण के दौरान नजर नहीं आई है। उत्तराखंड में जो वेदर रोड के कारण एक बड़े क्षेत्र खास तौर से चार धाम यात्रा मार्ग पर सड़कों व पहाड़ों को काटने का कार्य चल रहा है जिसने राज्य के पर्वतीय भाग को बुरी तरह प्रभावित किया है। ऑल वेदर रोड के निर्माण का खामियां जा निश्चित तौर पर उत्तराखंड की प्राकृतिक संपदा को झेलना पड़ रहा है।

अदालत के आदेश का अनादर चिंताजनक

अजीत द्विवेदी

दिवाली के अगले दिन छपे हुए अखबार तो नहीं आए लेकिन अखबारों और न्यूज चैनलों की वेबसाइट पर जो सुर्खियां दिखीं वो बेहद चिंताजनक थीं। एक न्यूज चैनल की हेडलाइन थी 'धुएं में उड़ा सुप्रीम कोर्ट का आदेश' तो एक दूसरी वेबसाइट ने लिखा 'दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ीं'। दिवाली की रात दिल्ली के लोगों के एक समूह ने पटाखों पर पाबंदी के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाईं तो दूसरा समूह सर्वोच्च अदालत के आदेश के बेशर्म अनादर का बेबस साक्षी बना और सुबह होते होते पूरे देश को इसका पता चल गया। सो, पहला सवाल तो दिमाग में यह आता है कि इससे सुप्रीम कोर्ट की क्या इज्जत बची? लेकिन क्या सचमुच यह मामला सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या उसके मौजूदा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ या पटाखों पर पाबंदी के आदेश देने वाली पीठ के जजों की इज्जत का है या देश, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और करोड़ों अन्य लोगों के सम्मान व उनके जीवन के अनादर का मामला है? क्या यह देश और राज्य की सरकारों के लिए शर्म की बात नहीं होनी चाहिए कि वे सर्वोच्च अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करा पाए? इन सवालों के जवाब बहुत सरल नहीं हैं।

पटाखों पर पाबंदी के आदेश का उल्लंघन कई पहलुओं से भविष्य के लिए खतरनाक और चिंताजनक है। इसमें एक पहलू धर्म का है। दूसरा पहलू न्यायपालिका के सम्मान का है, जिसकी रक्षा करना सरकार और नागरिक दोनों की जिम्मेदारी है और तीसरा पहलू करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य का है। पटाखों पर पाबंदी के मामले में धर्म का पहलू पहले दिन से जुड़ा है। एक बड़ा समुदाय ऐसा है, जो इसे हिंदू धर्म की मान्यताओं में अदालत के हस्तक्षेप के तौर पर देखता है। हालांकि ऐसा मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि बारूद मुगलों के साथ भारत आया और उससे पहले दिवाली पर पटाखे चलाने की परम्परा नहीं थी। पटाखे चलाना दिवाली की पूजा पद्धति या परम्परा का हिस्सा नहीं है। अदालत ने अपने फैसले में कहा भी कि इस पर पाबंदी किसी के धार्मिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है। अदालत की यह टिप्पणी उसके आदेश के उल्लंघन का एक बड़ा कारण बनी।

असल में पिछले कुछ बरसों में हिंदुवादी संगठनों और देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की ओर से हिंदुओं के जाग जाने या हिंदुओं के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जैसा हल्ला बनाया गया है उसकी परीक्षा ऐसे मौकों पर की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही इसकी शुरुआत हो गई थी। सोशल मीडिया में लोगों से यह अपील की

गई कि वे अपनी ताकत दिखाएं और सुप्रीम कोर्ट को उसकी जगह। लोगों से खुल कर पटाखे चलाने की अपील की गई। और दिवाली के अगले दिन सोशल मीडिया में सुप्रीम कोर्ट ट्विटर पर ट्रेंड करता रहा। लोगों ने पटाखे चलाने की वीडियो डाल कर सुप्रीम कोर्ट के लिए अभद्र टिप्पणियां की। समझदार लोगों ने भी यह सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट क्यों बार बार इस तरह के आदेश देता है, जिस पर अमल सम्भव नहीं है। सोचें, किसी दूसरे सभ्य देश में क्या ऐसा हो सकता है? सर्वोच्च अदालत कोई आदेश दे और उसका खुलेआम उल्लंघन हो और सरकारें व कानूनी एजेंसियां उसे चुपचाप देखती रहें?

याद करें कैसे केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ था और तब देश के गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अदालतों को ऐसे आदेश नहीं देने चाहिए, जिनका पालन नहीं किया जा सके। जिनके ऊपर अदालत के आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी है वो अगर ऐसी टिप्पणी करते हैं तो दिल्ली में पटाखों पर पाबंदी के आदेश के उल्लंघन को आसानी से समझा जा सकता है। इसका स्पष्ट संकेत यह है कि अदालतें बहुसंख्यक समुदाय के धर्म, मंदिर, त्योहार आदि के बारे में कोई ऐसा फैसला करती हैं, तो एजेंसियां उसे लागू कराने के लिए बाध्य नहीं होंगी और यह उस समुदाय के लोगों की मर्जी पर होगा कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं करते हैं। दिल्ली इसकी मिसाल बनी है। दिवाली की रात जब पूरी दिल्ली में अदालत के आदेश का प्रतिरोध करने के लिए पटाखे फोड़े जा रहे थे तब अनेक सजग नागरिकों ने पुलिस को फोन किया लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसकी कोई खबर नहीं है कि पुलिस ने कहीं पर लोगों को पटाखे चलाने से रोका या अदालत के आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की।

यही इस मामले का दूसरा पहलू है। कोई कार्रवाई नहीं करके केंद्र और उसकी एजेंसियों की ओर से अदालत को यह संदेश दिया गया है कि वह ऐसे फैसले नहीं करे, जिस पर अमल नहीं कराया जा सके। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक बात है। भारत का संविधान विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित है। यह अलग बात है कि भारत में दो संस्थाएं– विधायिका और कार्यपालिका अलग अलग काम नहीं करती हैं। विधायिका का काम कार्यपालिका के फैसलों पर मुहर लगाने भर का रह गया है। लेकिन न्यायपालिका अब भी स्वतंत्र है और एक स्वायत्त संस्था के तौर पर काम करती है। परंतु मुश्किल यह है कि उसे अपने फैसलों के अनुपालन के लिए कार्यपालिका पर निर्भर रहना है। संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक परम्परा के तहत यह कार्यपालिका की जिम्मेदारी बनती है कि वह न्यायपालिका के आदेशों पर अमल कराए। असहमत होते हुए भी उसे आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना होता है। दुर्भाग्य से भारत में यह परम्परा टूटती दिख रही है। सरकारें ऐसी प्रवृत्ति दिखा रही हैं कि वह उन्हीं आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगी, जो उसके और उसके व्यापक मतदाता समूह की पसंद का हो। अभी यह काम धार्मिक मामलों में हो रहा है क्योंकि धर्म की अफीम चाट कर गाफिल पड़ी जनता को लग रहा है कि अदालत के आदेशों का उल्लंघन करके वह धार्मिक श्रेष्ठता साबित कर रही है। आने वाले दिनों में हो सकता है कि राजनीतिक मामलों में भी ऐसा होने लगे।

तीसरा पहलू स्वास्थ्य का है। यह ध्यान रखने की बात है कि पटाखों पर पाबंदी का सिर्फ और सिर्फ एक आधार यह कि इनसे प्रदूषण फैलता है। वायु गुणवत्ता खराब होती है, जिससे करोड़ों लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यह बात वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दिवाली की रात और अगले दिन की सुबह के आंकड़ों से भी यह बात प्रमाणित हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिवाली की रात 12 बजे के करीब दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू मॉनिटरिंग स्टेशन पर पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों का स्तर एक हजार के करीब था यानी सामान्य से करीब 15 गुना ज्यादा। दिवाली की अगली सुबह दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई चार सौ के करीब था, जो गंभीर श्रेणी में है। ध्यान रहे दिवाली से दो दिन पहले हुई बारिश ने दिल्ली की हवा साफ कर दी थी और एक्यूआई में सुधार हुआ था। हालांकि तब भी वह खतरनाक श्रेणी में थी। फिर भी दिल्ली के लोगों ने राजनीतिक और धार्मिक कारणों से अदालत के आदेश की धज्जियां उड़ाईं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि इससे करोड़ों लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ेगा।

सर्दियों में दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, गाडियों के धुएं और पटाखों की वजह से हवा जहरीली हो जाती है। दिल्ली गैस चैम्बर में तब्दील हो जाती है।

कनाडा का फंसा कांटा

पहले एंटनी ब्लिंकेन और फिर जस्टिन ट्रुडो के बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर हत्याकांड का मामला अभी ठंडा नहीं पड़ा है, भले इस बीच फिलस्तीन–इजराइल युद्ध छिड़ जाने से यह सुर्खियों से हट गया हो।

दिवाली के दिन कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत की दुखती रग को फिर से छेड़ा। उन्होंने आरोप दोहराया कि नई दिल्ली स्थित कनाडा के राजनयिकों के कूटनीतिक अभयदान को रद्द कर भारत ने वियना संधि का उल्लंघन किया। खालिस्तानी कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने का आरोप दोहराते हुए उन्होंने कहा कि बड़े देश अगर इस तरह "अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन" करें, तो सारी दुनिया सबके लिए अधिक खतरनाक जगह बन जाती है। इसके ठीक पहले पिछले हफ्ते भारत और अमेरिका के बीच 2+2 वार्ता के लिए आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने भारत को निज्जर हत्याकांड के बारे में कनाडा में चल रही जांच में सहयोग करने को कहा है। इस

चीन की बढ़ती चुनौती के बीच हाल के वर्षों में अमेरिका ने भी भारत से अपने रिश्तों को खास तरजीह दी। इसके बावजूद निज्जर मामले में उसने भारत के रुख को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि चीन संबंधी चिंता इतनी बड़ी है कि भारत में अपने रणनीतिक निवेश को वह झटके से खत्म करने की स्थिति में नहीं है, फिर भी इस विवाद ने पश्चिम के साथ आगे बढ़ रहे रिश्तों में एक अवरोध जरूर खड़ा कर दिया है। अब यह भारत को तय करना है कि उसकी निगाह में अमेरिकी धुरी से जुडने में किए अपने रणनीतिक निवेश को बचाना महत्त्वपूर्ण है, या एक साथ सभी धुरियों को चुनौती देते हुए आगे बढना।

बयान का सीधा मतलब है कि अमेरिका अपनी इस राय पर कायम है कि कनाडा के पास निज्जर की हत्या में भारत के हाथ के बारे में विश्वसनीय सबूत हैं और वहां चल रही जांच सही दिशा में है।

इन दो बयानों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर हत्याकांड का मामला ठंडा नहीं हुआ है, भले इस बीच फिलस्तीन–इजराइल युद्ध छिड़ जाने से यह सुर्खियों से हट गया हो। भारत के नजरिए यह मामला इसलिए बेहद अहम है, क्योंकि पिछले साढ़े तीन दशक में सभी सरकारों और खासकर मोदी सरकार की नीति भारत को अमेरिकी धुरी के करीब ले जाने की रही है। चीन की बढ़ती चुनौती के बीच हाल के वर्षों में अमेरिका ने भी भारत से अपने रिश्तों को खास तरजीह दी। इसके बावजूद निज्जर मामले में उसने भारत के रुख को स्वीकार नहीं किया है। हालांकि चीन संबंधी चिंता इतनी बड़ी है कि भारत में अपने रणनीतिक निवेश को वह झटके से खत्म करने की स्थिति में नहीं है, फिर भी इस विवाद ने पश्चिम के साथ आगे बढ़ रहे रिश्तों में एक अवरोध जरूर खड़ा कर दिया है। अब यह भारत को तय करना है कि उसकी निगाह में अमेरिकी धुरी से जुडने में किए अपने रणनीतिक निवेश को बचाना महत्त्वपूर्ण है, या एक साथ सभी धुरियों को चुनौती देते हुए आगे बढना।

मिस्र, रूस गाजा में युद्धविराम के प्रयास तेज करने पर सहमत

काहिरा,एजेंसी। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल–फतह अल–सिसी और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन युद्धग्रस्त गाजा पट्टी में युद्धविराम की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय प्रयास तत्काल तेज करने पर सहमत हुए हैं।

सूत्रों ने मिस्र के राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए बताया कि मंगलवार को फोन पर बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने फिलिस्तीनी तटीय क्षेत्र की घटनाओं पर चर्चा की। वे मानवीय सहायता तक तत्काल पहुंच की अनुमति देने और नागरिकों की सुरक्षा तथा रक्तपात रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के प्रयासों पर भी सहमत हुए।

बयान के अनुसार, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इससे राजनीतिक समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा, जिसका उद्देश्य दो–राष्ट्र समाधान के आधार पर संघर्ष को हल करना है। इस बीच, सिसी ने शांति बहाल करने के मिस्र के प्रयासों और राहत सहायता पहुंचाने तथा गाजा से विदेशी नागरिकों और घायल फिलिस्तीनियों को निकालने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की। इज़रायली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर को गाजा पट्टी पर नियंत्रण रखने वाले हमास आंदोलन के नेतृत्व में किए गए आश्चर्यजनक हमले के जवाब में इज़रायल ने गाजा पर एक बड़ा हमला किया। हमास के हमले में इज़रायल में लगभग 1,200 लोग मारे गये थे और 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था।

हरियाणा में सडक़ हादसे में पांच की मौत

चंडीगढ़,एजेंसी । हरियाणा के कुरूक्षेत्र जिले में एक कार सडक़ के डिवाइडर से टकरा गई और फिर दूसरी तरफ एक दूसरे वाहन से उसकी टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ठीकरी गांव के पास हुआ। पिहोवा की ओर से आ रहे कार चालक ने शायद वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से जा टकराई।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डिवाइडर जंप करने के बाद कार सामने से आ रहे दूसरे वाहन से टकरा गई।

प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली में 13 हॉटस्पॉट पर स्प्रिंकलर लगाए गए

नई दिल्ली,एजेंसी । बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा ने राष्ट्रीय राजधानी में 13 हॉटस्पॉट पर पानी के छिडक़ाव के उपकरण तैनात किए हैं, अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, 13 पहचाने गए प्रदूषण हॉटस्पॉट में नरेला, आनंद विहार, मुंडका, द्वारका, पंजाबी बाग, आरके पुरम, रोहिणी, बवाना, ओखला, जहांगीरपुरी, वजीरपुर और मायापुरी शामिल हैं। डीएफएस के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, अग्निशमन विभाग ने प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सभी 13 हॉटस्पॉट पर पानी का छिडक़ाव फिर से शुरू कर दिया है।

पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर चुनाव आयोग ने प्रियंका गांधी को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,एजेंसी । निर्वाचन आयोग ने मध्य प्रदेश में एक चुनावी जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी के लिए कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा को नोटिस जारी किया है। प्रियंका गांधी को गुरुवार रात 8 बजे तक जवाब देने को कहा गया है। मंगलवार रात प्रियंका गांधी को भेजे गए नोटिस में चुनाव आयोग ने कहा, आयोग को 10 नवंबर को भारतीय जनता पार्टी से एक शिकायत मिली है, जिसमें यह आरोप लगाया गया है कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक रैली में आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में झूठे बयान दिए हैं।

उत्तर रेलवे सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध : शोभन

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने छठ–पूजा की भीड़ के निकासी के इंतजामों की समीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

दिल्ली : उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने बुधवार को उत्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली में उत्तर रेलवे के विभागाध्यक्षों और मण्डल रेल प्रबंधकों के साथ उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की। बैठक में छठ पूजा के दौरान अतिरिक्त यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने जैसे अनेक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। उन्होंने आगे कहा कि निर्माण परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि रेलवे का विकास बहुत हद तक इन परियोजनाओं पर निर्भर करता है। उन्होंने विभाग प्रमुखों से विशेष निर्माण परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने के लिए कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। उत्तर रेलवे अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाप्रबंधक शोभन चौधुरी ने अतिरिक्त टिकट खिड़कियां खोलने, अस्थायी जनरल टिकट काउंटरों के बाहर शेल्टर लगाने, पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, साफ-सफाई और संरक्षा एवं सुरक्षा इंतजामों की निगरानी करने के लिए रेल सुरक्षा बल जवानों की अतिरिक्त तैनाती जैसे कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके अलावा महाप्रबंधक ने शीतकालीन मौसम के दौरान अधिक सावधानियां बरतने की तैयारी, रेलपथों पर संरक्षा, गतिसीमा में वृद्धि, आगामी कोहरे के मौसम के मद्देनज़र रेल परिचालन, बिजनेस डेवलेपमेंट यूनिटों और मालभाड़ा जैसे मद्दों पर चर्चा की गयी। महाप्रबंधक ने शीतकालीन सावधानियां बरतने पर बल दिया और कहा कि रेल/वैल्ड दरारों को रोकने पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। रेल ज्वाइंटस और वैल्ड्रों का निरीक्षण और ल्यूब्रीकेशन प्राथमिक आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने रात्रिकालीन गश्त को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। संरक्षा रेलवे की प्राथमिकता है। महाप्रबंधक ने रेलपथों, रेल फाटकों के संरक्षा मानकों को बेहतर बनाने और हाई-स्पीड सेक्शनों में रेलपथों के किनारे चारदीवारी का निर्माण करने पर बल दिया। उन्होंने रेलपटरियों को पार करने की घटनाओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलपथों के निकट अतिक्रमणों को हटाने के प्रयास करने का परामर्श दिया।

महाप्रबंधक ने क्रू-चेंज बिंदुओं पर क्रू-चेंज के कारण रेलगाड़ियों के गतिरोध पर चर्चा की और मंडलों को क्रू-चेंजिंग लाइनों/प्वाइंटों के दोनों सिरों पर बैठने की व्यवस्था वाले पोर्टा केबिनों के निर्माण का निर्देश दिया जिससे न्यूनतम सम्भावित समय में क्रू-चेंजिंग की जाये और क्रू-चेंजिंग के कारण होने वाले रेलगाड़ियों के विलम्ब को कम किया जा सके।

उन्होंने रेलगाड़ियों के निर्बाध संचलन के लिए रेलपथों के साथ-साथ रिले और पैनल रूमों पर विद्युत सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करने पर बल दिया। उन्होंने रेल परिचालन में मानवीय भूलों को कम करने पर जोर दिया। उन्होंने प्रमुख विभागाध्यक्षों और मंडल रेल प्रबंधकों से समयपालनबद्धता को बनाए रखने और संरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लभाड़ा लदान की गति बढ़ाने के लिए कहा।

अल–शिफा अस्पताल परिसर में इजरायली सेना के ऑपरेशन में हमास के 5 बंदूकधारी मारे गए

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उसने गाजा में अल–शिफा अस्पताल के परिसर में हमास के पांच आतंकवादियों को मार गिराया है, जहां इजरायली सेना बड़े पैमाने पर छापेमारी कर रही है। आईडीएफ ने बुधवार को एक बयान में कहा कि वह अल–शिफा अस्पताल के अंदर है।आईडीएफ ने यह भी कहा कि अल–शिफा अस्पताल परिसर से कई बंदूकें बरामद की गईं, जो अस्पताल परिसर के भीतर आतंकवादियों की मौजूदगी का संकेत देती हैं, जैसा कि आईडीएफ और इजराइल ने पहले आरोप लगाया था।

उत्तर रेलवे ने मनाया जनजातीय गौरव दिवस

जयन्त प्रतिनिधि

दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घोषित 15 नवंबर की तारीख महान सपूत, महान क्रांतिकारी भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए भारत के आदिवासी परंपरा के गौरवमान इस दिवस को बुधवार को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाया जा रहा है।

इस दिशा में उत्तर रेलवे ने भी आज नई दिल्ली स्थित प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस में "जनजातीय गौरव दिवस" मनाया। शोभन चौधुरी, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसी तरह के आयोजन विभिन्न मंडलों एवं कारखानों में भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर समस्त विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा उच्च अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

शोभन चौधुरी, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

घर में आग लगने से मारे गए हिंदू परिवार के सदस्यों को दी गई श्रद्धांजलि

लंदन, एजेंसी। पश्चिम लंदन में दिवाली समारोह के दौरान एक भयानक घटना में घर में आग लगने से से तीन बच्चों सहित एक हिंदू परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई थी। लोगों ने इस परिवार के सदस्यों को अपनी श्रद्धांजलि दी।

रविवार की रात चैनल क्लोज हाउंस्लो में आग लगने से सीमा रात्रा की उनके तीन बच्चों –– रियान, शनाया और आरोही के साथ मृत्यु हो गई। इस हादसे में उनके घर आए एक मेहमान की भी मौत हो गई। जबकि रात्रा के पति एरोन किशन बच गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, छठा व्यक्ति लापता है। पुलिस आग के कारणों की जांच कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार स्प्रिंगवेल स्कूल की ओर से मंगलवार को घटनास्थल पर बच्चों के लिए फूलों के गुच्छे रखे गये।

मिसेज शेल्डन की ओर से दी गई श्रद्धांजलि में लिखा गया, तीन खूबसूरत आत्माओं को खोने के बारे में सुनकर हमारे दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

एक छह वर्षीय बच?चे ने अपनी श्रद्धांजलिमें कहा, प्रिय रियान, मुझे बहुत दुख है कि आपके साथ ऐसा हुआ। आज सब रो रहे हैं और आज तुम्हें याद कर रहे हैं। आप अभी भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। हम आपको कभी नहीं भूलेंगे और आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे। ईश्वर आपको स्वर्ग में अनन्त जीवन प्रदान करें। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों के चचेरे भाई–बहनों ने अपने आंसू रोक रखे थे और वे इतने सदमे में थे कि इस घातक आग के बाद वे बोल भी नहीं पा रहे थे। पड़ोसियों ने कहा कि उन्होंने आग लगने के बाद किशन को मेरे बच्चे, मेरे बच्चे चिल्लाते हुए घर से भागते हुए देखा।

आग पर काबू पाने के लिए दस दमकल गाडियों और लगभग 70 अग्निशामकों को लगाया गया, जिसमें ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल नष्ट हो गई और छत का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।अग्निशामक कर्मियों को परिवार के पांच सदस्यों के शव घर की पहली मंजिल पर मिले।एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुख्य अधीक्षक सीन विल्सन ने इसे भयानक घटना कहा और कहा कि लंदन फायर ब्रिगेड (एलएफबी) इस त्रासदी के पीछे के कारण का पता लगाने के लिए प्रयास करेगी। एलएफबी ने कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि आग लगने का कारण आतिशबाजी या हाल की में दिवाली समारोह में इस?तेमाल की जाने वाली मोमबत्तियां थीं।

केंद्रीय मंत्री तोमर के बेटे का मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा, जांच जरूरी: कमल नाथ

भोपाल, एजेंसी । केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश के दिमनी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर के लेन देन के सामने आए तीन कथित वीडियों को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला और कहा कि यह मामला किसी व्यक्ति या पार्टी का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और नशे के कारोबार से जुड़ता हुआ दिख रहा है, इसलिए जांच जरुरी है।

कमलनाथ ने एक्स पर लिखा, मैं भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से जानना चाहता हूं कि उनके लिए सबसे पहले पार्टी और परिवार का हित है या देशहित। केंद्रीय मंत्री और विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र के तीन वीडियो अब तक सामने आ चुके हैं। कथित तौर पर 100 करोड़ रुपए के लेनदेन से शुरू हुआ मामला अब 10,000 करोड़ रुपए तक के लेनदेन तक पहुंच चुका है। इसमें मादक पदार्थों के व्यापार और कनाडा से सीधा संबंध दिखाया जा रहा है। यह मामला अब किसी व्यक्ति या पार्टी का नहीं है।

देश पर दो चक्रवाती तूफानों का मंडराया खतरा, कुछ राज्यों पर पड़ेगा असर

नईदिल्ली,एजेंसी । देशभर में मौसम का मिजाज सर्द हो चला है. कई राज्यों में ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्म कपड़े पहनने के लिए मजबूर कर दिया है. हालांकि आधा नवंबर बीत गया है और अब तक उम्मीद के मुताबिक ठंड नहीं पड़ी है. इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से एक और बड़ी चेतावनी ने सभी को चौंका दिया है. दरअसल ठंड की दस्तक के बीच भारत पर दो चक्रवाती तूफानों का खतरा मंडरा रहा है. आईएमडी के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है. ऐसे में चक्रवाती तूफान उठने का खतरा मंडरा रहा है. यही वजह है कि कुछ राज्यों को लेकर मौसम विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है.

मौसम विभाग की मानें तो बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे कम दबाव के क्षेत्र के चलते समुद्र तटीय इलाकों के नजदीकी राज्यों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं. बताया जा रहा है कि ये कम दबाव का क्षेत्र आगे बढक़र एक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है. आईएमडी के मुताबिक 15 और 16 नवंबर यानी दो दिन चक्रवाती तूफान को लेकर अहम बताए जा रहे हैं. मौसम विभाग ने बताया कि ये साइक्लोन एजेंसी को आंध्र प्रदेश तट के पास पहुंच जाएगा, इसके साथ ही इस तूफान की रफ्तार में इजाफा होगा और संभावना जताई जा रही है कि अगले 24 घंटे में ये विकराल रूप ले सकता है.

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों की मानें तो कम दबाव का क्षेत्र 16 नवंबर को आंध्र प्रदेश तट से आगे बढ़ेगा और इसके पश्चिम–उत्तर–पश्चिम की ओर बढऩे की संभावना है. इसके बाद इस सिस्टम के उत्तर–उत्तरपूर्व की ओर जाने के आसार हैं. ऐसे में ये ओडिशा के तट की ओर पहुंचेगा. यानी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में इस तूफान का असर देखने को मिलेगा.

मौसम विभाग के मुताबिक, इन राज्यों में खास तौर पर तटीय इलाकों के आस–पास अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है. कई इलाकों में तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर स्तर पर

नई दिल्ली,एजेंसी । दिल्ली में वायु गुणवत्ता एक बार फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई और बुधवार को कई स्थानों पर वायु गुणवत?ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर पर भी दर्ज किया गया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह नौ बजे आनंद विहार में पीएम2.5 का स?तर 500 और पीएम10 का 476 दर्ज किया गया जो गंभीर श्रेणी में है। कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) 102 पर मध्यम श्रेणी में और एनओ2 का स?तर 53 पर संतोषजनक स्तर पर था।बवाना में पीएम2.5 का स?तर 500 पर और पीएम10 का 435 पर पहुंच गया, जबकि सीओ 95 पर पहुंच गया, संतोषजनक और एनओ2 का स?तर 21 पर अच्छा रहा।द्वारका सेक्टर–8 में पीएम 2.5 का स?तर 446 पर पहुंच गया, जो गंभीर श्रेणी में है। जबकि पीएम 10 का स?तर 361 पर है, जो बहुत खराब है, जबकि सीओ 62 पर संतोषजनक है।इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल3 क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता गंभीर थी। पीएम 2.5 का स्तर 429 पर और पीएम10 का 286 पर खराब श्रेणी में दर्ज किया गया।

हमें अपनी भारतीय टीम के कौशल और दृढ़ संकल्प पर पूरा भरोसा है: हरमनप्रीत कौर

मेलबर्न, भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार दोपहर को वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबले के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को शुभकामनाएं दीं और मेजबान टीम के कौशल और दृढ़ संकल्प पर पूरा भरोसा जताया।

मौजूदा टूर्नामेंट के दो बार के चैंपियन और मेजबान भारत ने प्रतियोगिता में एकमात्र अजेय टीम के रूप में सेमीफाइनल चरण में प्रवेश करने के लिए लगातार नौ जीत हासिल की है। उनका मुकाबला न्यूजीलैंड से है, जो पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप में उपविजेता रहा है और नॉकआउट में अपने वजन से बढ़कर प्रदर्शन करने के लिए जाना जाता है।

भारत ने इस टूर्नामेंट में बहुत अच्छा क्रिकेट खेला है। यदि आप देखें, तो उनकी सभी जीतें लगभग एकतरफा रही हैं और घरेलू परिस्थितियों में इस तरह की उपलब्धि देखना बहुत असाधारण है। जब आप पर एक अलग दबाव होता है घरेलू परिस्थितियों में खेल रहे हैं और इसका पूरा श्रेय टीम को जाता है, प्रत्येक व्यक्ति अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

जब भी कोई मौका आया है, उन्होंने इसे दोनों हाथों से लपका है। मैं वास्तव में चाहता हूं कि विराट कोहली इस बड़े अवसर पर अपना 50वां शतक बनाएं। यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। मुझे उनके कौशल और दृढ़ संकल्प पर पूरा भरोसा है। हमारी भारतीय टीम। हरमनप्रीत ने जंक्शन ओवल में पत्रकारों से कहा, न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं।

हरमनप्रीत मौजूदा महिला बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेल रही हैं और एक पावर-पैक घरेलू सीजन से पहले भारत वापस आएंगी, जहां उनका सामना मुंबई में इंग्लैंड (केवल टेस्ट और टी20ई) और ऑस्ट्रेलिया (सभी प्रारूप) से होगा।. उनका मानना है कि डब्ल्यूबीबीएल में खेलना अगले महीने से शुरू होने वाले घरेलू घरेलू आयोजनों के लिए तैयारी करने का एक शानदार तरीका है।

अब सोच यह है कि आप आगे क्या कर सकते हैं और आप यहां (राष्ट्रीय टीम के लिए) क्या ला सकते हैं। मेरे लिए, यह अंतरराष्ट्रीय खेलों के लिए खुद को तैयार करने और दूसरों पर क्या और कैसे नजर रखने के लिए एक शानदार टूर्नामेंट है। उनका प्रदर्शन जारी है।

विराट कोहली ने जड़ा 50वां वनडे शतक, सचिन तेंदुलकर को छोड़ दिया पीछे

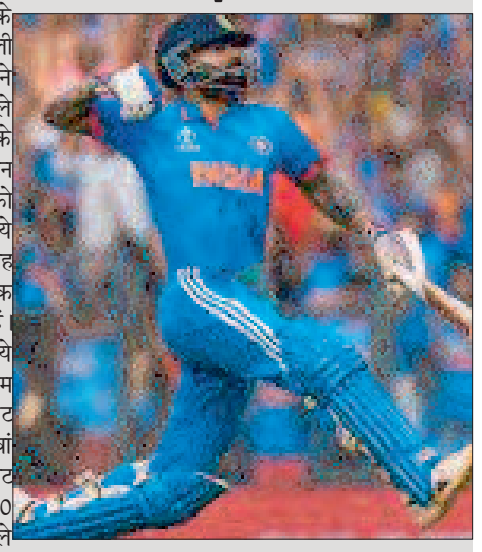

मुंबई,भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप 2023 के पहले सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर महान सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वनडे में विराट का ये 50वां शतक है। इसी के साथ वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले 49 शतक के साथ ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। बात करें इंटरनेशनल क्रिकेट के बारे में तो यह उनका 80वां इंटरनेशनल शतक हैं। विराट कोहली ने 279 पारियों में 50 वनडे शतक लगाए हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर ने वनडे करियर में 452 पारियां खेलते हुए 49 शतक लगाए थे। इनके अलावा रोहित शर्मा 31 शतक के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर है और रिकी पोंटिंग ने अपने वनडे करियर में 30 शतक लगाए थे। वहीं, श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने वनडे में 28 शतक लगाए हैं। विराट कोहली ने ये एतिहासिक शतक 106 गेंदों पर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का जड़ा।विराट कोहली इस वर्ल्ड कप में शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं और टीम इंडिया के लिए लगातार रन बना रहे हैं। विराट इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। वह इस वर्ल्ड कप में अभी तक 3 शतक और 5 अर्धशतक जड़ चुके हैं। वह इकलौते बल्लेबाज भी हैं जिसने एक वर्ल्ड कप में 8 बार 50+ रन बनाए हैं। विराट कोहली इस ऐतिहासिक शतक जडने के बाद सचिन तेंदुलकर के सामने नतमस्तक किया। दरअसल, विराट कोहली अपना आइडल सचिन तेंदुलकर को मानते हैं और उन्होंने सचिन का रिकॉर्ड ही तोड़ा है।

श्रेयस अय्यर और केएल राहुल—भारत के मध्यक्रम की किस्मत का आधार बनकर उभरे

मुंबई, दाएं हाथ के दो बल्लेबाज, चोटों से उबरने की दो यात्राएं और एक भूमिका जिसे वे मौजूदा पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में निभा रहे हैं – भारत के मध्यक्रम की बल्लेबाजी की किस्मत का आधार बनकर उभरे हैं। इन नौ मैचों में प्रशंसकों को एहसास हुआ होगा कि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने मेजबान टीम की अजेय लय में कितना महत्व जोड़ा है, जिससे घरेलू धरती पर ट्रॉफी हासिल करने की भारत की दस साल पुरानी खोज को और पंख मिल गए हैं। अगर रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली शीर्ष क्रम में रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, तो अय्यर और राहुल इस बल्लेबाजी क्रम के फौलादी आदमी हैं, जिन्होंने दिखाया है कि वे किसी भी स्थिति में जरूरत पडने पर आगे बढने के लिए तैयार हैं। 2023 में अय्यर और राहुल की मौजूदगी इंग्लैंड में 2019 विश्व कप के दौरान जो हुआ उसके बिल्कुल विपरीत है। 2015–19 चक्रमें अनसेटल्ड वह शब्द था, जिसका उपयोग मध्य–क्रम म्यूजिकल चेयर का वर्णन करने के लिए किया गया था। अंबाती रायुडू चौथे नंबर पर आने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में अचानक खराब फॉर्म के कारण विजय शंकर को टीम में जगह मिली।

वर्ल्ड टूर फाइनल्स सबसे अमीर बैडमिंटन टूर्नामेंट

कुआलालंपुर, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स दुनिया का सबसे अमीर बैडमिंटन टूर्नामेंट बना रहेगा और खेल संचालन संस्था ने बुधवार को अगले चार वर्षों में 11.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि देने का वादा किया है।

हांगझोऊ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में 13–17 दिसंबर तक खेले जाने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2023 की पुरस्कार राशि 2.5 मिलियन डॉलर होगी, जो पिछले साल के 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक है।

बीडब्ल्यूएफ से मिली जानकारी के अनुसार, आने वाले वर्षों में पुरस्कार राशि 2026 में बढ़कर 3.5 मिलियन डॉलर हो जाएगी।

2023 में वर्ल्ड टूर फ़ाइनल की पुरस्कार राशिः 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर, 2024: 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर, 2025: 3.0 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 2026: 3.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर।

बीडब्ल्यूएफ महासचिव थॉमस लुंड ने कहा, हम बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के लिए पहले से ही हमारे हस्ताक्षरित समापन समारोह के लिए अगले चार वर्षों में 11.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पुष्टि करने में सक्षम होने से प्रसन्न हैं। यह हमारे खिलाड़ियों के प्रति समग्र रूप से अधिक प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है और एक उन्नत विश्व स्तरीय खेल उत्पाद में योगदान देता है जिसे

हम चाहते हैं। हम हांगझोऊ को सीजन के अंत के फाइनल का नया घर बनाने की संभावना से उत्साहित हैं और इसे देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। विश्व के शीर्ष सितारे परम गौरव के लिए संघर्ष करते हैं।

रेस टू फ़ाइनल रैंकिंग से शीर्ष 8 क्वालीफायर की पुष्टि चाइना मास्टर्स 2023 के समापन के बाद की जाएगी।

रोहित—गिल की जोड़ी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मुंबई, वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया का प्रदर्शन अभी तक काफी खास रहा है। रोहत शर्मा और शुभमन गिल की ओपनिंग जोड़ी ने लगातार टीम इंडिया को अच्छी और तेज शुरुआत दिलाई है। इस टूर्नामेंट में ही नहीं बल्कि इस पूरे साल ही रोहत शर्मा और शुभमन गिल ने मिलकर खुब रन बनाए हैं। इसी के साथ रोहित–गिल की जोड़ी ने वनडे क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। इस जोड़ी ने एक ऐसा कमाल किया है जो इससे पहले वनडे क्रिकेट में कोई भी जोड़ी नहीं कर सकी थी।

रोहत शर्मा और शुभमन गिल की जोड़ी इस टूर्नामेंट में काफी आक्रमक नजर आ रही है। वर्ल्ड कप 2023 के पहले सेमीफाइनल में भी न्यूजीलैंड के खिलाफ इन दोनों खिलाड़ियों ने काफी शानदार शुरुआत दिलाई। दोनो खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 8.2 ओवर में 71 रन जोड़े। ये इस साल रोहित और गिल के बीच 14वीं 50+ रन की पार्टनरशिप थी। इसी के साथ वनडे क्रिकेटमें ये पहली जोड़ी बन गई है जिसने एक साल में 14 बार 50+ रन की पार्टनरशिप की है। इससे पहले ये कारनामा किसी भी जोड़ी ने नहीं किया था।रोहत शर्मा और शुभमन गिल की ओपनिंग जोड़ी ने एडम गिलक्रिस्ट और मैथ्यू हेडन जैसी धाकड़ जोड़ी को पीछे छोड़ा है। एडम गिलक्रिस्ट और मैथ्यू हेडन की जोड़ी ने साल 2007 में 13 बार 50+ रन की पार्टनरशिप की थी। 2003 में भी इस जोड़ी ने 12 बार 50+ रन की पार्टनरशिप की थी। वहीं, 1999 में मार्क वॉ और एडम गिलक्रिस्ट की जोड़ी ने भी 12 बार 50+ रन की पार्टनरशिप की थी।

रोहत शर्मा ने इस मैच में 29 गेंदों का सामना करते हुए 47 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और इतने ही छक्के जड़े। वहीं, शुभमन गिल क्रैम्प के चलते रिटायर्ड हर्ट हुए। शुभमन गिल ने रिटायर्ड हर्ट होने से पहले 65 गेंदों पर 79 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के जड़े।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com